www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 50 || लखनऊ
बुधवार
20 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:16
सूर्यास्तः 06:49
अधिकतमः 42°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07

विशेष समाचार: दवा के नाम पर मौत, इलाज के... >> पेज 04 | बरेली कॉलेज में जीआईएस... >> पेज 06 | शिखर पहाड़िया ने शेयर किया '...

प्रति लीटर करीब 90 पैसे की बढ़ोतरी, 4 दिन पहले 3-3 बढ़ाए थे, 15 राज्यों में पेट्रोल 100 लीटर पार

एक हफ्ते में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

बढ़ोतरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल आज 19 मई से औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी पांच दिन के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है। देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बिक रहा है। वहीं 17 में डीजल का दाम 90 रुपए लीटर से ज्यादा है। यहां पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से लोग नाराज हैं। लोगों का कहना है कि दाम बढ़ने के कारण बहुत परेशानी हो रही है, महंगाई बढ़ गई है। वहीं जमुई में पेट्रोल के कैपिंग की जा रही है। कुछ पंप पर केवल 200 रुपए के ही पेट्रोल दिए जा रहे हैं। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। पाली में एक पेट्रोल पंप पर सोमवार रात को ड्रम में डीजल भरने से मना करने पर विवाद हो गया। युवक ने अपने 10-12 साथियों को बुलाकर पंप संचालक और स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की की। केबिन का कांच तोड़ दिया। इससे नाराज पेट्रोल पंप संचालक हड़ताल पर है। मंगलवार सुबह शहर के अधिकतर पंप बंद हैं। इससे हरियाणा में पेट्रोल की कीमत ऑल टाइम हाई पहुंच गई है। सिरसा में पेट्रोल रेट 100.81 लीटर हो गया है। इससे पहले 28 मार्च 2022 को बहादुरगढ़ में पेट्रोल रेट 100.08 पहुंचा था।

>> (शेष पेज 06 पर)

90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ था।

उत्तर प्रदेशः लोग रात से ही पेट्रोल पंपों के बाहर मच्छरदानी लगाकर सो रहे

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और किल्लत का असर दिखने लगा है। महराजगंज में सोमवार रात से ही लोग पेट्रोल पंपों के बाहर मच्छरदानी लगा के सो रहे हैं। जिले में ज्यादातर पेट्रोल पंप बंद पड़े हैं। वहीं, बस्ती में बाइक सवारों को 200 रुपए का तेल और कार वालों को 1000 रुपए का ही तेल दिया जा रहा है।

राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम

राज्य	राजधानी	पेट्रोल	डीजल
आंध्र प्रदेश	अमरावती	110.45	98.24
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	93.12	81.35
असम	दिसपुर	97.94	89.20
बिहार	पटना	110.02	96.05
छत्तीसगढ़	रायपुर	101.29	94.24
गोवा	पणजी	96.30	88.05
गुजरात	गांधीनगर	95.31	91.06
हरियाणा	चंडीगढ़	98.15	89.10
हिमाचल प्रदेश	शिमला	96.12	88.25
झारखंड	रांची	98.86	93.63
कर्नाटक	बेंगलुरु	107.12	95.04
केरल	तिरुवनंतपुरम	111.71	100.60
मध्य प्रदेश	भोपाल	107.47	92.79
महाराष्ट्र	मुंबई	107.59	94.08
मणिपुर	इम्फाल	99.85	85.90
मेघालय	शिलांग	96.02	87.85
मिजोरम	आइजोल	94.75	80.95
नागालैंड	कोहिमा	98.20	89.10
ओडिशा	भुवनेश्वर	105.09	96.68
पंजाब	चंडीगढ़	97.45	87.73
राजस्थान	जयपुर	109.32	94.50
सिक्किम	गंगटोक	101.40	88.75
तमिलनाडु	चेन्नई	104.49	96.11
तेलंगाना	हैदराबाद	111.88	99.95
त्रिपुरा	अगरतला	98.35	86.40
उत्तर प्रदेश	लखनऊ	98.40	91.73
उत्तराखंड	देहरादून	94.15	89.30
पश्चिम बंगाल	कोलकाता	109.70	96.07

मध्यप्रदेशः छिंदवाड़ा में बिक्री की लिमिट तय, उज्जैन में कथावाचक ने दिलाई ईंधन बचाने की शपथ

छिंदवाड़ा में पेट्रोल-डीजल बेचने की लिमिट तय कर दी गई है। यहां पंपों से दोपहिया को 200 रुपए और छोटी कारों को 500 रुपए से ज्यादा का पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है। उज्जैन में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथावाचक डॉ. संतोष महाराज ने श्रद्धालुओं को पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग करने और सोना न खरीदने की शपथ दिलाई।

सरकार के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घाटे में चल रही थीं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा के अनुसार कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर हर महीने करीब 30,000 करोड़ का नुकसान हो रहा है। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपए घटाई थी

इससे पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए स्पेशल एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती की थी। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए, जबकि डीजल पर 10 से शून्य कर दी गई थी। केंद्र सरकार की ओर से एक लीटर पेट्रोल पर कुल 21.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी। स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद यह 11.90 रुपए रह गई थी। इसी तरह, एक लीटर डीजल पर कुल सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी 17.8 रुपए से घटकर 7.8 रुपए पर आ गई थी। सरकार का ये फैसला पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए था।

2024 से दाम नहीं बदले थे, चुनाव से पहले कटौती हुई थी

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में 2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, लेकिन राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण इन्हें लंबे समय तक नहीं बदला गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति के आधार पर देश में ईंधन के दाम तय किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियां 'डेली प्राइस रिवीजन' यानी डायनेमिक प्राइसिंग सिस्टम के तहत हर दिन सुबह 6 बजे नए रेट अपडेट करती हैं। उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले तेल की कीमतों में कई तरह के टैक्स और खर्च जुड़ते हैं, जिसे हम आसान भाषा में समझ सकते हैं।

शांतिपूर्ण विरोध का अधिकारः सूर्यकांत

लेकिन सड़क जाम कर लोगों को परेशान नहीं कर सकते

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) जस्टिस सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि देश में सभी लोगों को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन सड़क पर उतरकर आम लोगों के लिए परेशानी खड़ी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के नाम पर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या डर का माहौल बनाने की परमिशन नहीं दी जा सकती। CJI ने यह बात नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नामकरण को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ी सुनवाई के दौरान कही। याचिका में दावा किया गया था कि एयरपोर्ट के नाम को लेकर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। CJI सूर्यकांत के साथ जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच 'प्रकाशज्योत सामाजिक संस्था' की याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें नवी मुंबई एयरपोर्ट का नाम लोकनेता डीबी पाटिल नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट रखने की मांग की गई थी।

बंगाल में जहां दोबारा चुनाव, वहां टीएमसी कैंडिडेट पीछे हटा

भाजपा सिंबल पर टेप चिपका मिलने पर चुनाव रद्द हुआ था

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर दोबारा वोटिंग से दो दिन पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। जहांगीर ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की। बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज यानी 29 अप्रैल को फालता में वोटिंग हुई थी। इस दौरान कुछ बूथ पर EVM में भाजपा के बटन पर टेप चिपका मिला। कई अन्य बूथों पर भी EVM में गड़बड़ी की खबरें आईं। इसके बाद चुनाव आयोग ने 21 मई को दोबारा वोटिंग के आदेश दिए। रिजल्ट 24 मई को आएगा।

4 मुख्य उम्मीदवार

जहांगीर खान (TMC) | अब्दुर रज्जाक (कांग्रेस) | देबांशु पांडा (भाजपा) | शंभु नाथ कुर्मी (CPI (M))

पार्टी ने एक्स पर बयान जारी कर लिखा- 4 मई को चुनाव नतीजे आने के बाद फालता सीट पर हमारे 100 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। भारी दबाव के बावजूद हमारे कार्यकर्ता भाजपा की डराने की राजनीति का मुकाबला कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम सवालों से भागते दिखे : राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने मंगलवार को नॉर्वे में एक महिला जर्नलिस्ट हेली लिंग के सवाल को टालने पर पीएम मोदी की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जब दुनिया एक कॉम्प्रोमाइज्ड PM को कुछ सवालों से घबराकर भागते हुए देखती है, तो भारत की छवि पर क्या असर पड़ता है।

ओडिशा में युवक-युवती को सरेआम लाठियों से पीटा

बेरहामपुर। ओडिशा के बेरहामपुर शहर में सड़क पर सरेआम एक युवक और उसकी महिला मित्र पर डंडों से हमले का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक सोमवार रात युवक और उसकी महिला मित्र बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान बीजीपुर इलाके में कुछ लोगों ने उनकी बाइक रोक ली। इसके बाद युवक को सड़क पर घसीटकर डंडों से पीटा गया। युवती अपने दोस्त को बचाने के लिए उसके ऊपर लेट गई। इसके बावजूद हमलावर दोनों के पैरों पर लगातार लाठियां बरसाते रहे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

ऋषिकेश में उज्जैनी एक्सप्रेस के 3 कोच पटरी से उतरे

ऋषिकेश (देहरादून)। ऋषिकेश में सोमवार रात शंटिंग के दौरान उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन कोच पटरी से उतर गए। रेलवे सूत्रों के मुताबिक शंटिंग लाइन के अंत में लगे बफर (डेड एंड) से इंजन टकरा गया, जिसके बाद डिब्बों पर दबाव बढ़ गया। इससे एक बोगी ट्रैक से पूरी तरह बाहर निकल गई, जबकि दूसरी बीच से मुड़ गई। जानकारी के मुताबिक उज्जैनी एक्सप्रेस सोमवार शाम करीब 6 बजे योगनगरी रेलवे स्टेशन पहुंची थी।

खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें : सुप्रीम कोर्ट

बोला- लोगों की सुरक्षा जरूरी, जो अफसर निर्देश न माने, उस पर अवमानना का केस चले

आदेश

कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे। जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है। मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दी। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हाईवे जैसे पब्लिक प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश जारी किए थे। कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को जहां से पकड़ें, नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं न छोड़ें। ऐसे कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखें। अदालत ने सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी बैन लगाया था। इसके बाद कई डॉग लवर्स और NGO ने इन निर्देशों को रद्द कराने के लिए कई याचिकाएं दाखिल की थीं। हालांकि इन याचिकाओं की संख्या की जानकारी नहीं दी गई है। राजस्थान के श्री गंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं।

योगी ने शाह को शॉल ओढ़ाया

मोहन यादव से बातचीत की, बस्तर में मध्य क्षेत्र परिषद की बैठक में शामिल हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच मंगलवार को बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिली। मौका छत्तीसगढ़ में पहली बार हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक का था। इसके शुरू होने से पहले सीएम योगी ने अमित शाह का पटका पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने हाथ जोड़कर एक-दूसरे को नमस्कार किया। सीएम योगी ने इस पूरे मूवमेंट की तस्वीर खुद अपने X पर शेयर किया। योगी ने लिखा- आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी का अभिनंदन किया। बस्तर में हो रही इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कर रहे हैं। इस हाई प्रोफाइल बैठक में यूपी, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री मौजूद हैं। बैठक में राज्यों के विकास के साथ गंभीर सामाजिक और सुरक्षा के मुद्दों पर कड़े फैसले लिए गए। चारों राज्यों में अपराध नियंत्रण, विशेषकर महिलाओं के उत्पीड़न और रेप जैसे मामलों पर जल्द फैसले लेने पर चर्चा की गई। बैठक में राज्यों के बीच आपसी समन्वय, कानून व्यवस्था, सीमा विवाद, परिवहन, बिजली और जल संसाधन जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

अमित शाह ने 1000 सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 17 मई (रविवार) को तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ के दौरे पर आए थे। छत्तीसगढ़ को 31 मार्च को नक्सल मुक्त घोषित किए जाने के बाद शाह पहली बार वहां आए हैं। उन्होंने सोमवार को कहा कि सरकार छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में शांति कायम करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। शाह ने बस्तर में स्थित अमर वाटिका में माओवाद के खिलाफ लड़ाई में प्राणों की आहुति देने वाले 1,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित दी। अमित शाह ने कहा- बस्तर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए हमारे जवानों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

राष्ट्र की सुरक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही हैं कि स्थायी शांति और विकास अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

दौरा : बहुत कठिन समय आ रहा है, एक्शन लेने के बजाए मोदीजी विदेश चले गए

आर्थिक तूफान आने वाला है : राहुल गांधी

- लखनऊ एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता बैनर-पोस्टर लेकर पहुंचे थे।
- रायबरेली में राहुल गांधी ने बड़े मंगल पर चुरुवा मंदिर में बजरंगबली के दर्शन किए। मंदिर आए लोगों से बात की।

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2 दिन के यूपी दौरे पर हैं। मंगलवार को रायबरेली में राहुल ने कहा- अब आर्थिक तूफान आने वाला है। पीएम मोदी ने अडाणी और अंबानी वाला जो आर्थिक ढांचा बनाया है, वह टूटकर गिरेगा। इसका नुकसान आम जनता को होगा। यूपी की जनता को शॉक लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन की बजाए पीएम कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि खुद दुनिया के चक्कर काट रहे हैं। लखनऊ से राहुल कार से रायबरेली रवाना हुए। रास्ते में काफिला रुकवाकर चुरुवा मंदिर में हनुमानजी के दर्शन किए। पुजारी ने उन्हें माला पहनाई और प्रसाद दिया। फिर बछरावां में सांसद निधि से बने मैरिज हॉल का उद्घाटन किया। गांव के लोगों से बात की।

>> (शेष पेज 06 पर)

"राहुल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा- हम आपके साथ खड़े हैं। जहां भी आप जाएंगे, मुझे बुला लीजिए, मैं आपके साथ रहूंगा। आपने मेरा समर्थन किया, आपने बारात घर की मांग की थी, हमने आपको बारात घर भी दे दिया। अगली बार जब यहां शादी होगी तो मुझे जरूर बुलाइएगा, मैं जरूर आऊंगा। हमारा रिश्ता प्यार का है, दिल का रिश्ता है, परिवार जैसा रिश्ता है। जनता मेरे लिए माता-पिता, दादी, बहन और भाई जैसी है राहुल मंगलवार सुबह 11.30 बजे दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने उनका स्वागत किया। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक बैनर-पोस्टर लेकर एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने 'राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाए।

सीएम शुभेंदु के पीए हत्याकांड में वाराणसी से एक और गिरफ्तारी

गाजीपुर का विनय राय सीबीआई के हत्थे चढ़ा

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में सीबीआई की टीम ने वाराणसी से एक गिरफ्तारी की है। सीबीआई ने वाराणसी से गाजीपुर के देवरिया, थाना जमनिया निवासी विनय राय पमपम (40) को गिरफ्तार किया है। फिलहाल सीबीआई ने उसे सीजीएम कोर्ट में पेश किया है। जहां से उसे अपने साथ लेकर रवाना हो गई। इसके पहले कल सीबीआई की टीम ने यूपी के मुजफ्फरनगर से बलिया निवासी राजकुमार सिंह को गिरफ्तार किया था। उसे हत्याकांड का मुख्य शूटर माना जा रहा है। इससे पहले 10 मई को बलिया के ही रहने वाले राज सिंह को अयोध्या से पकड़ा गया था। यह कार्रवाई बंगाल चुनाव के नतीजे आने के दो दिन बाद 6 मई को हुई हत्या की जांच के सिलसिले में की गई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीबीआई ने शुभेंदु अधिकारी के पीए के हत्या में शामिल युवक को वाराणसी से किया गिरफ्तार।

चंद्रनाथ शांत स्वभाव और लो-प्रोफाइल थे। उन्होंने रामकृष्ण मिशन से अपनी पढ़ाई पूरी की थी। कई सालों तक शुभेंदु के करीबी होने के बावजूद वह सुर्खियों से दूर ही रहते थे। चंद्रकांत की शुभेंदु के साथ कोई फोटो नहीं है।

घर से ऑफिस के लिए निकली थी, सुशांत गोल्फ सिटी के जंगल में मिला शव, युवक हिरासत में

सगाई के 4 दिन बाद युवती की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

शिवानी सिंह, मृतका

लखनऊ । लखनऊ में सगाई के चार दिन बाद एक लड़की की हत्या का मामला सामने आया है। लड़की घर से ऑफिस जाने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। सोमवार सुबह 8 बजे उसका शव सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के जंगल में मिला। राहगीरों की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी। इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस की शुरुआती जांच में हत्या के बाद लाश फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में मॉर्च्यूरी भिजवाया और शिनाख्त शुरू की। इस बीच सोमवार को दोपहर के वक्त जब परिजन गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंचे, तब पुलिस ने उन्हें लाश की तस्वीर दिखाई। मां ने तस्वीर देखकर बेटी शिवानी सिंह (22) की शिनाख्त की। पुलिस एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। परिजनों ने बताया- शिवानी की चार दिन पहले यानी 14 मई को सगाई हुई थी।

सीसीटीवी और कॉल डिटेल खंगाल रही पुलिस

डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने बताया-शव की पहचान होने के बाद मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस लड़की की कॉल डिटेल, घर और दफ्तर के आसपास सीसीटीवी फुटेज, आखिरी लोकेशन के आधार पर सुराग जुटा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारण साफ नहीं हो सके हैं। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करेगी।

14 मई को हुई थी सगाई, घर में चल रही थीं तैयारियां

शिवानी अपने माता-पिता और 19 साल की छोटी बहन के साथ एल्डिको उद्यान, रक्षा खंड में किराए के मकान में रहती थी। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। मां गीता (39) घरों में झाड़ू-पोछा का काम करती हैं, जबकि दीपू (42) शटरिंग का काम करते हैं। परिजनों के मुताबिक, शिवानी की 14 मई को प्रकाश नाम के लड़के से सगाई हुई थी। परिवार शादी की तैयारियों में जुटा था।

परिजनों ने एक युवक पर जताई आशंका

मृतका शिवानी एमआरएम ग्रुप में चैनल पार्टनर के रूप में कार्यरत थी। ऑफिस वृंदावन गेट नंबर 2 साई काम्प्लेक्स में ऑफिस है। घर से ऑफिस की दूरी तीन किलोमीटर है। परिजनों ने घर से 200 मीटर दूर रहने वाले लड़के प्रेम पर आशंका जताई है। परिजनों की आशंका पर पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया है। पूछताछ कर रही है जल्दी मामले का खुलासा हो जाएगा। बताया जा रहा है सगाई से पहले दोनों की बातचीत होती थी। प्रेम डिलीवरी बॉय का काम करता है।

मृतक शिवानी की मां गीता सिंह ने बताया कि बेटी एक रियल एस्टेट कंपनी के ऑफिस में काम करती थी। रविवार को घर से ऑफिस जाने की बात कहकर निकली थी। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। बाद में पुलिस के पास पहुंचे तो मौत की खबर लगी।

'सपा राज में दलाल तय करते थे नौकरियां'

अखिलेश यादव पर बरसे ओम प्रकाश राजभर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर समाजवादी पार्टी (सपा) के शासनकाल में हुई भर्तियों और भ्रष्टाचार का मुद्दा गरमा गया है। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा और बेहद तीखा हमला बोला है। राजभर ने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखकर आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान हुई सरकारी नौकरियों में जमकर बंदरबांट हुई, जिसका सबसे बड़ा शिकार और पीड़ित प्रदेश का अति पिछड़ा समाज हुआ। ओम प्रकाश राजभर ने अपनी पोस्ट की शुरुआत एक बेहद भावुक लाइन से की- 'महल खड़े हैं जिन हाथों से, उन हाथों में छाले क्यों हैं?' राजभर ने कहा कि यह सवाल पूरा अति पिछड़ा समाज आज अखिलेश यादव से पूछ रहा है। उन्होंने दावा किया कि सपा शासनकाल में 'ऐतिहासिक नियुक्ति घोटाला' हुआ, जिसने गैर-यादव पिछड़े वर्ग (OBC) के लाखों योग्य युवाओं के भविष्य और उनके सपनों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए सुभासपा प्रमुख ने लिखा, मैं गांव की मिट्टी से निकला हूं, परिवार चलाने के लिए टेंपो तक चलाया है और गरीबी को बहुत करीब से जिया है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में एसएसओ को बनाया बंधक

लखनऊ । भीषण गर्मी के बीच राजधानी में बिजली संकट गहराता जा रहा है। देर रात राजाजीपुरम क्षेत्र के आरडीएसओ उपकेंद्र पर बिजली कटौती से परेशान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने उपकेंद्र का घेराव कर एसएसओ को बंधक बना लिया और लेसा अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

एक ही परिवार का अंतर्राज्यीय चोर गिरोह पकड़ा गया

मोहनलालगंज । दिन में बंद घरों की रेकी, रात में ताले तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी पर हाथ साफ और पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी का डीवीआर तक साथ ले जाते थे। लखनऊ पुलिस ने ऐसे ही एक अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है।

एक ही परिवार के चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। करीब 30 लाख रुपये के जेवरात, नकदी, बुलेट बाइक, स्कूटी, टीवी और डीवीआर बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई चोरी और एनडीपीएस मामलों में जेल जा चुके हैं।

लखनऊ के वजीरबाग में दो पक्षों में पथराव

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र स्थित वजीरबाग इलाके में सोमवार तड़के युवकों के दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। दोनों तरफ से करीब 12 मिनट तक लगातार पत्थरबाजी होती रही। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी युवक फरार हो चुके थे। घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे का बताया जा रहा है।

एलडीए के लेक व्यू अपार्टमेंट में बुकिंग शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

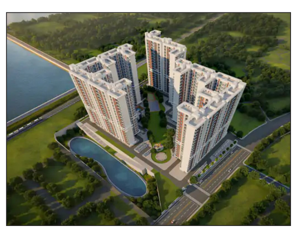

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गोमती नगर के विराज खण्ड में अत्याधुनिक 'लेक व्यू अपार्टमेंट' परियोजना विकसित करने का निर्णय लिया है। इस आवासीय परियोजना में लगभग 2300 वर्गफीट वाले 646 प्रीमियम फ्लैट्स बनाए जाएंगे।

परियोजना को लेकर एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने आदेश जारी कर दिए हैं। फ्लैटों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 19 मई से 18 जून 2026 तक चलेगी। आवेदन केवल एलडीए की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे।

एलडीए के अनुसार, परियोजना में 19 मंजिला तीन भव्य टावर बनाए जाएंगे, जिनकी ऊंचाई लगभग 60 मीटर होगी। सभी फ्लैट 3 बीएचके के होंगे फ्लैट्स और प्रत्येक फ्लैट का सुपर एरिया 2340 वर्गफीट निर्धारित किया गया है। एक फ्लैट की कीमत लगभग 1.13 करोड़ रुपये तय की गई है। प्राधिकरण का दावा है कि गोमती नगर क्षेत्र में निजी बिल्डरों की तुलना में यह कीमत काफी किफायती होगी। इसमें आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वीमिंग पूल, क्लब हाउस, पार्क, बच्चों के लिए प्ले एरिया, पावर बैकअप एक हजार से अधिक वाहनों की पार्किंग शामिल है ।

18 जून तक होगा रजिस्ट्रेशन, 1.13 करोड़ में मिलेगा 3 बीएचके फ्लैट

लखनऊ में एसएसओ को बनाया बंधक

लखनऊ। भीषण गर्मी के बीच राजधानी में बिजली संकट गहराता जा रहा है। देर रात राजाजीपुरम क्षेत्र के आरडीएसओ उपकेंद्र पर बिजली कटौती से परेशान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने उपकेंद्र का घेराव कर एसएसओ को बंधक बना लिया और लेसा अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जानकारी के मुताबिक रात करीब 11:30 बजे आरडीएसओ उपकेंद्र क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। उमस और गर्मी से परेशान लोगों ने उपकेंद्र के सीयूजी नंबर पर लगातार फोन किए, लेकिन सुनवाई नहीं होने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। रात करीब एक बजे बड़ी संख्या में लोग उपकेंद्र पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर एसएसओ ने जेई, एसडीओ और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को शांत कराया। इसके बाद बिजली कर्मचारियों ने फाल्ट ठीक कर रात करीब 2:30 बजे सप्लाई बहाल की।

हनुमान भंडारों में पहुंचे अखिलेश यादव, फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन के आयोजन की सराहना

'भाईचारा और गंगा-जमुनी तहजीब ही देश की ताकत'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के तीसरे मंगलवार के अवसर पर राजधानी लखनऊ में आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सहभागिता कर सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।

हजरतगंज चौराहा स्थित मीडिया प्वाइंट पर उत्तर प्रदेश फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में पहुंचकर अखिलेश यादव ने श्री हनुमान जी की पूजा-अर्चना की तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार, फोटो जर्नलिस्ट, समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और आम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, लखनऊ मध्य क्षेत्र के विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व ओएसडी आशीष यादव, सोनू यादव सहित कई वरिष्ठ पत्रकार और फोटो जर्नलिस्ट उपस्थित रहे। भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का परिचय दिया।

> अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि पत्रकार समाज को जोड़ने और जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे सामाजिक और धार्मिक आयोजनों से सकारात्मक वातावरण बनता है।

मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की भक्ति और सेवा भावना का प्रतीक

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की भक्ति और सेवा भावना का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि लखनऊ की पहचान उसकी गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी प्रेम और भाईचारे से रही है तथा ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भंडारों में हर वर्ग और समुदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के शामिल होते हैं, यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने संविधान के मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी लोगों के प्रति प्रेम, दया और अपनापन रखना ही सच्ची सामाजिक भावना है ।

26 मई से प्रशासनिक समिति के हाथ आएगी कमान, यूपी कैबिनेट को प्रस्ताव भेजा

यूपी में 57 हजार प्रधानों का कार्यकाल खत्म होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी की 57 हजार 695 ग्राम पंचायतों में प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो जाएगा। लेकिन, पंचायत चुनाव कब होंगे? यह अभी तय नहीं है। ऐसे में पंचायतीराज विभाग ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद कामकाज संभालने के लिए प्रशासक की नियुक्ति या प्रशासनिक समिति के गठन का प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा है। पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन अभी तक नहीं हुआ। ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई तक है, जबकि लिस्ट का अंतिम प्रकाशन 10 जून को होगा। पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए ओबीसी आयोग के गठन का प्रस्ताव कैबिनेट से मंजूर हो चुका है।

> पंचायतीराज विभाग के निदेशक अमित सिंह कहते हैं ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है। शासन स्तर से प्रशासक की नियुक्ति होगी। पंचायतों के 'ग्राम पंचायत सहायक' को ही 'प्रशासक' नियुक्त करने का प्रावधान है। जब तक चुनाव नहीं होते तब तक प्रशासक ही ग्राम पंचायत का कामकाज संभालता है।

प्रधान संघ की मांग- 'प्रशासनिक समिति' गठित हो

राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह कहते हैं- संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने 20 अप्रैल को सीएम योगी से मुलाकात करके प्रशासनिक समिति गठित करने की मांग की थी। 16 मई को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात कर उनके सामने भी यही मांग रखी थी। संगठन के उपाध्यक्ष ललित कुमार शर्मा बताते हैं- पंचायत चुनाव समय पर न होने पर राज्य सरकार या जिलाधिकारी, पंचायतीराज एक्ट 1947 की धारा-12 की उपधारा 3A के तहत प्रशासक या प्रशासनिक समिति गठित कर सकते हैं। प्रशासनिक समिति में ग्राम प्रधान या सरकार की ओर से निर्धारित अध्यक्ष होते हैं। वहीं, ग्राम प्रधान समेत पंचायत के वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत सहायक को सदस्य नियुक्त किया जाता है।

प्रशासक नियुक्त होने से आती हैं व्यावहारिक कठिनाइयां

प्रधान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह बताते हैं- ग्राम पंचायतों में सरकारी कर्मचारी को प्रशासक नियुक्त करने से ग्रामीणों के सामने कई तरह की व्यावहारिक समस्याएं आती हैं। सरकारी अधिकारी के प्रशासक नियुक्त होने से वित्तीय अनियमितता की आशंका बढ़ती है। 2021 में प्रशासकों ने चार हजार करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन उसका हिसाब-किताब नहीं मिला। प्रशासक उस ग्राम पंचायत का निवासी नहीं होता है। इसलिए बाहरी व्यक्ति को क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने का पता नहीं होता। अगर किसी की बेटी की शादी है तो ग्राम प्रधान 50 हजार रुपए दे सकते हैं। लेकिन, प्रशासक यह काम नहीं करते हैं।

चुनाव के दौरान भी ग्राम प्रधान आपसी समन्वय से शांति व्यवस्था बनाने, मतदान बढ़ाने में भूमिका निभाते हैं, लेकिन प्रशासक का लोगों से उतना गहरा संबंध नहीं होता है।

छात्रा को डार्लिंग कहने वाला प्रोफेसर सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रोफेसर डॉ. परमजीत सिंह, आरोपी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी छात्रा को डार्लिंग कहने वाले जूलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. परमजीत सिंह को निलंबित कर दिया गया है। मंगलवार को विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से ये बड़ी कार्रवाई की गई।

दोपहर में कार्यपरिषद की आपात बैठक में डॉ. परमजीत सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने पर मुहर लगा दी गई। 3 सदस्यीय उच्चस्तरीय अनुशासन समिति की अंतरिम रिपोर्ट में उन पर छात्रा के यौन शोषण के प्रयास, प्रश्नपत्र लीक की बात स्वीकार करने, विश्वविद्यालय की साख को नुकसान पहुंचाने और UGC और विशाखा गाइडलाइंस के उल्लंघन जैसे गंभीर आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने आरोपी शिक्षक को आरोप-पत्र जारी कर 15 दिनों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। समयसीमा में संतोषजनक जवाब न मिलने पर सेवा समाप्ति जैसी कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन कार्य समिति की बैठक हुई। इस बैठक में सबसे पहले सोमवार को बनाई गई डिसीप्लिनरी कमिटी की फाइंडिंग्स को रखा गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय की हाई कमेटी ने पाया दोषी, 15 दिन में देना होगा जवाब

मारुति सुजुकी में नौकरी पाने का सुनहरा अवसर

21-22 मई को लखनऊ के राजकीय आईटीआई अलीगंज में कैंपस प्लेसमेंट आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 21 एवं 22 मई 2026 को लखनऊ स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज परिसर में एक विशाल कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया जाएगा। इस भर्ती अभियान के माध्यम से हरियाणा स्थित कंपनी के प्लांटों के लिए फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉई (FTE) पदों पर चयन किया जाएगा। राजकीय आईटीआई के प्लेसमेंट ऑफिसर एम. ए. खान ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 21 मई को प्रातः 10:00 बजे से अभ्यर्थियों का प्रारंभिक असेसमेंट (लिखित/तकनीकी परीक्षा) आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 मई को चयनित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार संपन्न होंगे। इस भर्ती में पुरुष अभ्यर्थियों के लिए खरखौदा (सोनीपत) प्लांट तथा महिला अभ्यर्थियों के लिए मानेसर (गुरुग्राम) प्लांट में अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

पुरुष अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित वेतन लगभग 32,000 रुपए प्रति माह तथा महिला अभ्यर्थियों के लिए 41,713 रुपए प्रति माह (सीटीसी) प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त कंपनी द्वारा नियमानुसार अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी, जिनमें महिला अभ्यर्थियों हेतु सब्सिडी युक्त भोजन एवं वर्दी जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

इस भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का हाईस्कूल न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही फिटर, वेल्डर, मशीनिस्ट, मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, पेंटर, टर्नर, टूल एंड डाई मेकर, शीट मेटल वर्कर एवं ऑटो बॉडी रिपेयर जैसे मैकेनिकल ट्रेड्स में एनसीवीटी/एससीवीटी मान्यता प्राप्त आईटीआई उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आयोजन : पात्र कृषकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए जनपद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए

'मौसमीय आपदा से प्रभावित औद्यानिक फसलों की क्षतिपूर्ति में तेजी लायी जाए'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को उद्यान निदेशालय, लखनऊ में समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ वर्चुअल तथा शासन एवं निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भौतिक रूप से समीक्षा बैठक की। बैठक विभिन्न मौसमीय घटकों से औद्यानिक फसलों को हुए नुकसान की आपदा राहत प्रबंधन के अंतर्गत क्षतिपूर्ति कराए जाने के संबंध में आयोजित की गई।

बैठक में मंत्री ने निर्देश दिए कि मौसमीय घटकों से प्रभावित औद्यानिक फसलों एवं बागों का शीघ्र आकलन करते हुए आपदा राहत प्रबंधन से संबंधित शासनादेशों के अंतर्गत जिला अधिकारियों के माध्यम से कृषकों को क्षतिपूर्ति दिलाने हेतु आवश्यक प्रस्ताव तत्काल प्रेषित किए जाएं। उन्होंने जनपदीय उद्यान अधिकारियों को इस संबंध में समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उद्यान मंत्री ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न औद्यानिक विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पात्र कृषकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए जनपद स्तर पर प्रभावी प्रचार-प्रसार एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में आगरा में स्थापित हो रहे इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने परियोजना से संबंधित लंबित कार्यों एवं अन्य आवश्यक परियोजनाओं को शीघ्रता से पूर्ण किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री बीएल मीणा, निदेशक उद्यान श्री बीपी राम, संयुक्त निदेशक श्री सर्वेश कुमार व श्री राजीव कुमार सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिन मामलों में क्षतिपूर्ति के नियम स्पष्ट नहीं हैं अथवा निर्धारित धनराशि पर्याप्त नहीं है, उन प्रकरणों में राहत आयुक्त को प्रस्ताव भेजकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि प्रभावित कृषकों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जा सके।

गंगा एक्सप्रेस-वे के पास हुए हादसे में बस चालक समेत 12 बच्चे घायल

कार-स्कूली बस की टक्कर

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। गंगा एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन पर स्कूली बस और कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्चों से भरी स्कूल बस सड़क किनारे खंती में जा गिरी। हादसे में बस चालक समेत 12 लोग घायल हो गए, जिनमें कई स्कूली बच्चे शामिल हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग राहत कार्य में जुट गए। जानकारी के अनुसार, डीपीएसडी पब्लिक स्कूल की बस मंगलवार सुबह विभिन्न गांवों से बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी।

अस्पताल पहुंचे अभिभावक

घटना की सूचना मिलते ही घायल बच्चों के परिजन बिलग्राम सीएचसी पहुंच गए। अस्पताल में बच्चों का उपचार कर रहे डॉक्टरों ने सभी घायलों का प्राथमिक इलाज किया। बच्चों के परिजन काफी चिंतित नजर आए और अपने बच्चों का हालचाल लेते रहे। सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार और स्कूल प्रबंधक नितिन गुप्ता भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल बच्चों और उनके परिजनों से मुलाकात कर स्थिति की जानकारी ली।

पुसेड़ा गांव के पास हुआ हादसा

बताया जा रहा है कि बस तरौली, हैबतपुर और पुसेड़ा गांव से बच्चों को लेकर स्कूल की ओर जा रही थी। इसी दौरान गंगा एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन पर पुसेड़ा गांव से पहले माधौगंज की ओर से आ रही एक कार से बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में जा गिरी। हादसा होते ही बच्चों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और बस में फंसे बच्चों को बाहर निकालना शुरू किया।

स्थानीय लोगों ने संभाला राहत कार्य

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल पुलिस, एंबुलेंस तथा स्कूल प्रबंधन को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं।

घायलों को स्कूल की दूसरी वैन और एंबुलेंस की मदद से बिलग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, हादसे के समय बस में करीब 22 बच्चे सवार थे।

सर्विस लेन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने गंगा एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि सर्विस लेन पर स्पीड ब्रेकर या पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम होते, तो इस तरह का हादसा टाला जा सकता था।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सीतापुर पीआरवी को 8 नई बाइकें मिली

एएसपी बोले- पुलिस रिस्पांस तेज होगा, संकरी गलियों में पहुंचेगी पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस लाइन सीतापुर में यूपी-112 बेड़े में शामिल की गईं 8 नई दोपहिया पीआरवी (पुलिस रिस्पांस वाहन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित हुआ, जबकि पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह ने नई मोटरसाइकिलों को रवाना किया। इस दौरान एएसपी दुर्गेश सिंह ने बताया कि यूपी-112 सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इन दोपहिया वाहनों को बेड़े में शामिल किया गया है। नई बाइक पीआरवी विशेष रूप से उन क्षेत्रों में उपयोगी

साबित होंगी जहां चारपहिया वाहनों की पहुंच कठिन होती है। संकरी गलियों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अब पुलिसकर्मी तेजी से घटनास्थल तक पहुंच सकेंगे, जिससे आम लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आधुनिक संसाधनों से लैस यह पहल जनपद की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई करने में भी मदद मिलेगी।

फास्ट न्यूज

बीएमएम दीप राज पर एफआईआर

उन्नाव। उन्नाव के पुरवा विकास खंड में ब्लॉक मिशन प्रबंधक दीप राज के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई आईजीआरएस पोर्टल पर मिली शिकायत की जांच में गड़बड़ी पाए जाने के बाद की गई। जानकारी के अनुसार, पुरवा विकास खंड में स्वयं सहायता समूहों को भेजे जाने वाले फंड में अनियमितता की शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर मिली थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था।

कब्जा हटवाकर रानी कोठी पर डाले गए 17 ताले

सीतापुर। सीतापुर शहर में नजूल भूमि पर बनी चर्चित रानी कोठी को मंगलवार सुबह जिला प्रशासन ने कब्जा मुक्त करा लिया। प्रशासनिक टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कोठी का ताला तोड़कर परिसर को अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान इलाके में काफी हलचल रही और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। बताया जा रहा है कि रानी कोठी की जमीन की वर्तमान कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार यह भूमि वर्ष 1906 में उद्यान विकसित करने के उद्देश्य से 30 वर्षों के लिए पट्टे पर दी गई थी।

यूपी के युवाओं को विदेश में नौकरी करने का मौका

अलीगढ़। विदेश में नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। सेवायोजन विभाग ने सऊदी अरब, जापान, इजराइल जर्मनी में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। युवाओं को 43 हजार रुपये से लेकर करीब 2.30 लाख रुपये प्रतिमाह तक वेतन पर नौकरी मिल सकेगी। इसके लिए रोजगार संगम पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

नजूल भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर सात मकान मालिकों को नोटिस जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। नियमों को ताक पर रखकर बेची और कब्जाई गई बट्सगंज खल्लर की जमीन अब मकान मालिकों के लिए गले गुड़ की हंसिया बन गई है। प्रशासन ने इस भूभाग को नजूल करार दिया है और सात लोगों को नोटिस किया है। इसमें तीन जून तक मालिकाना हक सिद्ध करने के लिए दस्तावेज देने को कहा है। नोटिस जारी होने के बाद लोग कानून की काट तलाशने में वकीलों के चक्कर काटने लगे हैं। करीब दो दशक लखनऊ में बाढ़ का हवाला देकर तत्कालीन सरकार ने सरायन नदी में शारदा नदी का छोड़े जाने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद बट्सगंज खल्लर की जमीन सोने की भाव बिकने लगी थी। तत्कालीन मंत्री के एक नजदीकी ने जमीन को बेचकर बड़ी रकम कमाई थी। इसके अलावा स्वयं भी जमीन कब्जाई थी और अपने रिश्तेदारों को उपहार में दी

थी। जिलाधिकारी की ओर से नजूल जमीन को कब्जामुक्त कराए जाने को लेकर चल रही कवायद में पांसा पलट गया है। प्रशासन की जांच में यह जमीन नजूल की निकली है। ऐसे में प्रशासन की ओर से इखलाक अहमद, मुजीब अहमद, अहमद हुसैन व स्व. रघुवीर सरन के उत्तराधिकारी जदुनाथसरन, हनुमान, हिस्सेदार राधाकृष्ण, बब्बन को नोटिस जारी की है। नोटिस के अनुसार बट्सगंज में नजूल की भूमि पर अवैध निर्माण कराकर अवैध कब्जा किया गया है। इसी प्रकार खैराबाद के मुहल्ला छावनी कदीम में स्थित नजूल भूखंड संख्या 1692, 1693/1 एवं 1693/2 सरकारी संपत्ति हैं। प्रशासनिक जांच में पाया गया कि इन भूखंडों के हिस्सों पर मूल उद्देश्य के विपरीत अवैध निर्माण कर लिया गया है, जोकि नजूल नियमों का उल्लंघन है। वर्ष 2006 में कुछ व्यक्तियों ने बिना सक्षम अनुमति के भूमि का विक्रय एवं हस्तांतरण भी किया है, जिसे विधि विरुद्ध माना गया है। राजस्व अभिलेखों में उक्त भूमि प्रदेश सरकार के नाम दर्ज बताई गई है। नगर पालिका परिषद सीतापुर ने कैंची पुल क्षेत्र में बट्सगंज मुहल्ले में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और जनहित में वेंडिंग जोन विकसित करने की आवश्यकता जताई है। प्रशासन का कहना है कि सड़क किनारे अतिक्रमण हटने से जाम की समस्या कम होगी और क्षेत्र का सुव्यवस्थित विकास संभव हो सकेगा। पुराने पट्टों को निरस्त करने, अवैध विक्रय को शून्य घोषित करके भूमि को पुनः राज्य सरकार के पक्ष में सुरक्षित करने और अवैध निर्माण हटाकर कब्जा लेने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

हसनपुर के टैक्सी चालक का शव फंदे पर मिला

हसनपुर(अमरोहा)। सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव पुटसल निवासी टैक्सी चालक सनोज कुमार का शव सोमवार दोपहर बाद संदिग्ध परिस्थितियों में हरियाणा के गुरुग्राम के आनंद गार्डन पुलिस चौकी क्षेत्र में कमरे में फंदे पर लटका मिला है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। उधर गांव में टैक्सी चालक की मौत का पता लगने पर परिवार में चीत्कार मच गया है। वह तीन भाइयों में मझला था। करीब 10 वर्ष से गुरुग्राम में ही गाड़ी चलाता था। पत्नी और एक बेटा गांव में रहते हैं। बताया जा रहा है कि करीब सात वर्ष पहले गुरुग्राम में एक कंपनी में नौकरी करने वाली युवती से प्रेम प्रसंग के बाद उसने दूसरी शादी कर ली थी। घटना के पीछे एक यह कारण भी माना जा रहा है। सीओ पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि पुटसल के टैक्सी चालक की हरियाणा के गुरुग्राम में मृत्यु होने का मामला संज्ञान में नहीं है।

पालतू तोते की मौत से आहत युवक ने खाया जहर

मेडिकल कॉलेज में 4 घंटे बाद बची जान, होश में आने पर बताई पूरी बात

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सुरसा थाना क्षेत्र के ग्राम सौतेरा के भिखारी पुरवा में 23 वर्षीय युवक ने अपने पालतू तोते की मौत के बाद कथित तौर पर नशीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसकी जान बचाई। मामला रजनीश यादव पुत्र शिव कुमार यादव का है। बताया गया कि रजनीश ने फरवरी में नैमिषारण्य क्षेत्र से करीब 150 रुपये में एक तोता खरीदा था। परिवार ने उसका नाम 'मिट्ठू' रखा था। धीरे-धीरे यह तोता पूरे परिवार से घुल-

मिल गया, लेकिन रजनीश के साथ उसका विशेष लगाव था। परिजनों के अनुसार रविवार को जब 'मिट्ठू' की मौत हुई, उस समय रजनीश घर पर नहीं थे और रिश्तेदारी में गए हुए थे। लौटने पर जब उन्हें तोते की मौत की जानकारी मिली तो वह गहरे सदमे में चले गए। परिजनों का कहना है कि इसी मानसिक सदमे में रजनीश ने कोई नशीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर में उनकी हालत बिगड़ने लगी, मुंह से झाग निकलने लगा और स्थिति गंभीर हो गई। परिजन तुरंत उन्हें मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर (ईएमओ) डॉ. रूपेंद्र सिंह ने बताया कि युवक ने संभवतः नशीला पदार्थ सेवन किया था। मुंह से झाग और गंध के आधार पर भी इसकी आशंका जताई गई। डॉक्टरों की टीम ने करीब चार घंटे तक इलाज कर युवक को होश में लाया। होश में आने के बाद रजनीश ने बताया कि वह अपने तोते 'मिट्ठू' से बेहद प्यार करता था। वह जब भी घर आता या बाहर जाता, तोता आवाज सुनते ही उसके पास आ जाता था। उसने आरोप लगाया कि रिश्तेदारी जाने के दौरान घरवालों ने तोते का ठीक से ध्यान नहीं रखा और समय पर पानी नहीं दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

बाराबंकी की हिना खातून को सीएम योगी ने किया सम्मानित

लोकभवन में मिला बढ़े मानदेय का प्रतीकात्मक चेक

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित एक सम्मान समारोह में बाराबंकी की हिना खातून को सम्मानित किया। बेसिक शिक्षा विभाग के इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उन्हें बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। यह नगर पंचायत बंकी के लिए गर्व का क्षण था। हिना खातून उच्च प्राथमिक विद्यालय बंकी में अंशकालिक अनुदेशक के पद पर कार्यरत हैं। यह विशेष कार्यक्रम प्रदेश सरकार द्वारा अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय 9 हजार रुपये से बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इसमें प्रदेश भर से चयनित अनुदेशकों

को आमंत्रित किया गया था। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षक और अनुदेशक केवल बच्चों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा भी देते हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में शिक्षकों की भूमिका को बेहद अहम बताया। बाराबंकी जिले से इस कार्यक्रम के लिए हिना खातून और दीप्ति वर्मा का चयन हुआ था। राजधानी में मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान मिलने की खबर जैसे ही बंकी पहुंची, क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों और शिक्षा विभाग से जुड़े व्यक्तियों ने इसे जिले के लिए सम्मान की बात बताया।

मंदिर परिसर से 500 मीटर तक बीड़ी, गुटखा, पान मसाला और प्लास्टिक सामग्री पर रोक

तंबाकू और सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, डीएम ने जारी किए सख्त निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर जिले की धर्मनगरी नैमिषारण्य-मिश्रिख क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर ने महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए नैमिषारण्य में मंदिर परिसर और उसके चारों ओर 500 मीटर की परिधि में सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला, तंबाकू उत्पादों और सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री के उपयोग, बिक्री तथा भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर ने नगर पालिका परिषद को निर्देश दिए हैं कि नैमिषारण्य क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। साथ ही प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट

पदार्थों के सुरक्षित निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रशासन ने धार्मिक स्थलों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है। जिला सूचना विभाग को दुकानदारों, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं को जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन का उद्देश्य केवल प्रतिबंध लागू करना ही नहीं, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी है। इसके

प्लास्टिक सामग्री के प्रयोग पर भी पूर्ण रोक

जारी निर्देशों के अनुसार, नैमिषारण्य क्षेत्र में पालीथिन, प्लास्टिक गिलास, प्लेट, बोतल और अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री के प्रयोग पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है और धार्मिक स्थलों पर बढ़ता कचरा स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करता है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में इस अभियान को और प्रभावी बनाया जाएगा, ताकि क्षेत्र को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त रखा जा सके।

तहत क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे और लोगों को प्रतिबंधित वस्तुओं के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी जाएगी। व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासन ने एक संयुक्त टीम गठित करने का निर्णय लिया है। इस टीम की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी मिश्रिख करेंगे।

प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखने, श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। प्रशासन ने धार्मिक स्थलों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है।

वारदात : अजगैन थाना क्षेत्र के कुसुम्भी गांव में फैली सनसनी, पुलिस ने शुरू की जांच

मिला अज्ञात युवक का शव, पास से बाइक बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिले के अजगैन थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्राम कुसुम्भी के बाहर स्थित एक तालाब में एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना फैलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही अजगैन थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया।

घटनास्थल के पास से एक बाइक भी बरामद हुई है, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। शुरुआती आशंका जताई जा रही है कि युवक उसी बाइक से वहां पहुंचा होगा। हालांकि अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो

"पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 8:20 बजे थाना अजगैन को सूचना प्राप्त हुई कि कुसुम्भी गांव के बाहर स्थित तालाब में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की उम्र लगभग 32 वर्ष बताई जा रही है।"

सकी है और पुलिस उसकी शिनाख्त कराने में जुटी हुई है पुलिस आसपास के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही बाइक के नंबर के आधार पर भी युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस कर रही हर एंगल से जांच

अजगैन थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और बरामद बाइक की जांच भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ के साथ-साथ गुमशुदगी की रिपोर्टों का भी मिलान कराया जा रहा है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और जांच के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी हाउस भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार= पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का भी मिलान कर रही है, ताकि मृतक की पहचान हो सके और उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं

तालाब में शव मिलने की खबर से पूरे इलाके में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। स्थानीय लोग घटना को लेकर अलग-अलग कयास लगा रहे हैं। कुछ ग्रामीणों का मानना है कि युवक की तालाब में डूबने से मौत हुई होगी, जबकि कुछ लोग इसे संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मान रहे हैं। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है।

पीपा पुल पर हल्के वाहन चलना शुरू

नहर का पानी छोड़ने से बहा था अस्थायी पुल, प्रशासन ने की पहल

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। अउन्नाव-हरदोई मार्ग पर दोस्तीनगर नहर पुलिया के निर्माण कार्य के कारण लोगों को हो रही परेशानी अब कम होगी। प्रशासन की पहल के बाद यहां हल्के वाहनों का आवागमन शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। हालांकि, सुरक्षा कारणों से भारी वाहनों की आवाजाही पर फिलहाल रोक जारी रहेगी। दरअसल, दोस्तीनगर नहर पुलिया पर निर्माण कार्य चल रहा था, जिसके लिए एक अस्थायी मार्ग बनाया गया था। इसी दौरान नहर विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना के नहर में पानी छोड़ दिया, जिससे यह अस्थायी पुल बह गया। पुल बहने के कारण लोगों को कई किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा था। भीषण गर्मी में लंबे जाम की स्थिति से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मीडिया में यह

मामला प्रमुखता से उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सुशील कुमार गौड़ ने स्थिति का संज्ञान लेते हुए नहर विभाग और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने तत्काल प्रभाव से नहर का पानी बंद कराने और वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पीपा पुल तैयार कर यातायात बहाल करने के निर्देश दिए। प्रशासन के निर्देशों के बाद विभागीय अधिकारियों ने तेजी से काम शुरू किया। पीडब्ल्यूडी विभाग का दावा है कि आज शाम तक अस्थायी पीपा पुल पर हल्के वाहनों का आवागमन पूरी तरह शुरू कर दिया जाएगा। इससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सुरक्षा कारणों से भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक जारी रहेगी, ताकि पुल पर अनावश्यक दबाव न पड़े और कोई दुर्घटना न हो। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुल बह जाने के बाद स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए रोजाना लंबा चक्कर लगाना पड़ता था। गर्मी और जाम के कारण स्थिति और भी खराब हो गई थी। एडीएम सुशील कुमार गौड़ ने बताया कि प्रशासन की प्राथमिकता जनता को जल्द राहत प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य और यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही पुल निर्माण कार्य को भी समय से पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सम्पादकीय

क्या अदालत में भूल सुधार हो पाएगा

'जमानत नियम है और जेल अपवाद।' न्याय का यह बड़ा सिद्धांत सोमवार को एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय में सुनाया गया और इसके साथ ही पिछले पांच सालों से जेल में बंद उमर खालिद की जमानत का प्रकरण भी चर्चा में आ गया। शीर्ष अदालत ने कहा कि, बेल नियम और जेल अपवाद, यह सिद्धांत गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए मामलों में भी लागू होता है। इसके साथ अदालत ने जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को जमानत देने से इनकार करने वाले अपने ही पुराने फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालत की 18 मई की इस टिप्पणी को यूएपीए मामलों में लंबित जमानत याचिकाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी एक अन्य यूएपीए मामले में आरोपी सैयद इफ्तिखार अंद्राबी को जमानत देते समय की। अंद्राबी पर मादक पदार्थों की सप्लाई के जरिए आतंकवाद को फंडिंग करने का आरोप है और वह पिछले छह वर्षों से जेल में बंद था। सुनवाई के दौरान अदालत ने 2021 के भारत संघ बनाम के ए नजीब मामले में ऐतिहासिक फैसले का उल्लेख किया। उस फैसले में तीन-जजों की पीठ ने कहा था कि यदि किसी आरोपी के मौलिक अधिकार, विशेष रूप से शीघ्र सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन हो रहा हो, तो संवैधानिक अदालतें यूएपीए जैसे कठोर कानूनों के तहत भी जमानत दे सकती हैं। केरल में एक कॉलेज प्रोफेसर पर ईशनिंदा के नाम पर हमले का आरोप पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के सदस्य के ए नजीब और साथियों पर लगा। 2010 की इस घटना में पांच साल तक फ़रार रहने के बाद के ए नजीब को आखिरकार 2015 में गिरफ़्तार किया गया। 2016 से 2021 के बीच नजीब की ज़मानत याचिकाएं बार-बार खारिज होती रहीं, आखिर में केरल हाई कोर्ट ने उन्हें ज़मानत दे दी क्योंकि वह पहले ही चार साल तक विचाराधीन क़ैदी के रूप में जेल में रह चुका था। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ़ अपील की, जहां अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि सामान्य आपराधिक क़ानून के तहत ज़मानत देने के मानदंड यूएपीए या अन्य विशेष क़ानूनों के मामलों में लागू नहीं होंगे। इस मामले में विचाराधीन कैद्री के रूप में नजीब के साढ़े पांच साल जेल में बिताना एक अहम पहलू बन गया था। नजीब के केस में अदालत ने शाहीन वेलफेयर एसोसिएशन बनाम भारत सरकार मामले का हवाला देते हुए कहा कि मुक़दमे में 'अत्यधिक देरी' अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। उमर खालिद को सितंबर 2020 में फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों की कथित 'बड़ी साजिश' मामले में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने उन पर सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भड़काऊ भाषण देने और हिंसा की पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा होने का आरोप लगाया था। उन पर यूएपीए के अलावा भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया। हालांकि खालिद ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि दंगे भड़कने के समय वह दिल्ली में मौजूद नहीं थे। इसके बाद भी खालिद को कई बार की अपीलों के बावजूद जमानत नहीं दी गई। इस साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया था, जबकि गुलफिशा फातिमा और मीरान हेदर समेत पांच अन्य आरोपियों को राहत दी गई थी। अदालत ने उस समय कहा था कि उमर खालिद और शरजील इमाम की भूमिका अन्य आरोपियों के मुकाबले 'गुणात्मक रूप से अलग' है और उनके खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही लगते हैं। फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने उमर खालिद और शरजीत इमाम पर इस बात के लिए रोक लगा दी है कि वो अब एक साल तक जमानत के लिए आवेदन भी नहीं कर सकते। लेकिन 18 मई को उसी फैसले की समीक्षा करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक दूसरी बेंच ने जमानत न देने को गलत माना है। अदालत ने कहा कि जनवरी 2026 में दिए गए उस फैसले में यूएपीए के तहत लंबी अवधि की कैद और शीघ्र सुनवाई के अधिकार से जुड़े सिद्धांतों को सही तरीके से लागू नहीं किया गया। जस्टिस उज्जल भुइयां ने 18 मई को फैसले में कहा कि उमर खालिद मामले में अपनाए गए नज़रिए (जजमेंट) को स्वीकार करना 'कठिन' है, क्योंकि इसमें यूएपीए की कठोर जमानत शर्तों की व्याख्या 2021 के बड़े पीठ के फैसले से अलग तरीके से की गई। अदालत ने स्पष्ट कहा, 'कम सदस्यों वाली बेंच बड़ी बेंच द्वारा तय किए गए फैसले से बंधी होती है। न्यायिक अनुशासन की मांग है कि ऐसे बाध्यकारी फैसले का पालन किया जाए या संदेह की स्थिति में मामले को बड़ी बेंच को भेजा जाए।

दवा के नाम पर मौत, इलाज के नाम पर भय कब तक?

> भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जा रही हैं।

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था, तकनीकी उपलब्धियों या ऊंची इमारतों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कितना संवेदनशील है। स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी देश की आत्मा होती है। अस्पताल केवल भवन नहीं होते, वे जीवन की उम्मीद के केंद्र होते हैं। डॉक्टर केवल पेशेवर व्यक्ति नहीं होता, वह मौत और जीवन के बीच खड़ा वह संवेदनशील रक्षक होता है, जिस पर मनुष्य सबसे अधिक विश्वास करता है। लेकिन जब यही स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े, मुनाफाखोरी और अनैतिकता की गिरफ्त में आ जाए, तब समाज का विश्वास टूटने लगता है और चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देने लगता है। आज भारत में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी जो घटनाएं सामने आ रही हैं, विशेषकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की घटनाओं ने इसी भयावह यथार्थ को उजागर किया है।

आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा आशा जगाती है। लेकिन इसी बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती धांधलियां, फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियां, नकली दवाओं का कारोबार, अस्पतालों में मुनाफाखोरी और चिकित्सा सेवाओं का व्यवसायीकरण इस विकास यात्रा पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। यदि नागरिकों का जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होंगे। मध्यप्रदेश के दमोह और जबलपुर के सरकारी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियों का खुलासा किसी एक राज्य की प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरी का प्रतीक है। इससे भी अधिक चिंताजनक मामला राजस्थान मेडिकल काउंसिल में सामने आया, जहां ऐसे लोगों को डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कर दिया गया जिन्होंने न मेडिकल शिक्षा प्राप्त की और न ही आवश्यक इंटर्नशिप की। यह केवल कागजी अनियमितता नहीं, बल्कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने वाला गंभीर अपराध है। एक अयोग्य व्यक्ति जब डॉक्टर बनकर मरीजों के सामने बैठता है, तब वह इलाज नहीं करता, बल्कि मानव जीवन पर प्रयोग करता है, उसके कारण जिंदगी मौत में बदल जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे लोग व्यवस्था में प्रवेश कैसे कर जाते हैं? क्या कोई व्यक्ति अकेले इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कर सकता है? निश्चित रूप से नहीं। इसके पीछे सत्यापन तंत्र की विफलता, विभागीय मिलीभगत और संस्थागत भ्रष्टाचार की परतें मौजूद होती हैं। जब मेडिकल काउंसिल, अस्पताल प्रशासन और परीक्षा एवं पंजीयन संस्थाओं की भूमिका संदेह के घेरे में आ जाए, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी केवल व्यक्ति में नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में फैल चुकी है। आज चिकित्सा क्षेत्र का संकट केवल फर्जी डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। निजी अस्पतालों में मुनाफाखोरी ने स्वास्थ्य सेवा के मानवीय स्वरूप को गंभीर क्षति पहुंचाई है। मरीज की विवशता को आर्थिक अवसर में बदल देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक जांचें कराना, जरूरत न होने पर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना, वेंटिलेटर पर रखना, अत्यधिक बिल बनाना और उपचार को लंबा खींचना आम शिकायतें बन चुकी हैं। मरीज अस्पताल में इलाज के लिए जाता है, लेकिन कई बार आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होकर लौटता है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य पीड़ा दूर करना था, लेकिन कई स्थानों पर वह व्यापार और लाभ कमाने का माध्यम बन गई है। सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बने इन संस्थानों में संसाधनों की कमी, कर्मचारियों की लापरवाही, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की दखलअंदाजी ने व्यवस्था को कमजोर किया है। कई बार मुफ्त दवाएं मरीजों तक नहीं पहुंचतीं, मशीनें अनुपयोगी पड़ी रहती हैं, जांचों में देरी होती है और मरीज अस्पतालों के चक्कर लगाते-लगाते टूट जाता है। गरीब व्यक्ति के लिए बीमारी केवल शारीरिक पीड़ा नहीं रहती, बल्कि आर्थिक और मानसिक संकट भी बन जाती है। आज एक और गंभीर संकट सामने आया है-डॉक्टर बनने की अंधी दौड़ और शॉर्टकट संस्कृति। नीट जैसी परीक्षाओं में धांधलियों ने पहले ही देश को झकझोर दिया है। यदि प्रवेश प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए और उसके बाद फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर व्यवस्था में प्रवेश करने लगें, तो यह पूरे चिकित्सा तंत्र की विश्वसनीयता को समाप्त कर देगा। डॉक्टर बनने के पीछे वर्षों की कठिन पढ़ाई, प्रशिक्षण, अनुशासन और संवेदनशीलता की साधना होती है। लेकिन यदि इस प्रक्रिया को धन, भ्रष्टाचार और जालसाजी से बदल दिया जाएगा तो परिणाम केवल भयावह ही होंगे। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का संकट भी है। जब नागरिक डॉक्टर की योग्यता पर संदेह करने लगें, अस्पतालों में भय के साथ प्रवेश करें और दवा खरीदते समय उसकी प्रामाणिकता को लेकर आशंकित रहें, तब यह किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक संकेत है। स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास टूटना समाज की आत्मा पर चोट पहुंचाने जैसा है। दुनिया के विकसित देशों में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अपराधों को अत्यंत गंभीर माना जाता है। वहां फर्जी चिकित्सकों को केवल नौकरी से नहीं हटाया जाता, बल्कि आजीवन प्रतिबंध, भारी आर्थिक दंड और आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ता है। कई देशों में डॉक्टरों के पंजीकरण और प्रमाणपत्रों का नियमित सत्यापन होता है तथा डिजिटल निगरानी व्यवस्था इतनी मजबूत होती है कि फर्जीवाड़े की संभावना बहुत कम रह जाती है। इसके विपरीत भारत में कई बार जांच प्रक्रिया लंबी, जटिल और धीमी होती है। वर्षों तक जांच चलती रहती है और दोषी बच निकलते हैं। यह व्यवस्था अपराधियों में भय नहीं, बल्कि निर्भीकता पैदा करती है। अब समय केवल चिंता व्यक्त करने या औपचारिक आश्वासनों का नहीं, बल्कि निर्णायक और कठोर कदम उठाने का है। देश के प्रत्येक पंजीकृत डॉक्टर का लाइव डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जहां कोई भी नागरिक एक क्लिक पर डॉक्टर की योग्यता, पंजीकरण संख्या, मेडिकल कॉलेज और सेवा विवरण की पुष्टि कर सके।

ललित गर्ग

मंत्रियों, सांसदों और ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

'सत्ता में सादगी : संयमित सांसदों एवं विधायकों से समृद्ध लोकतंत्र की स्वर्णिम संहिता'

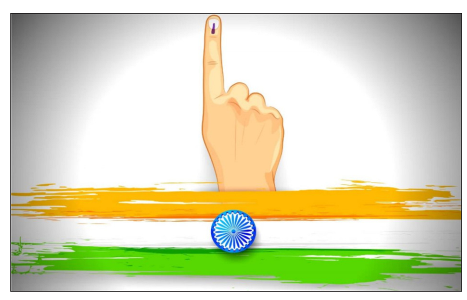

भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है जहाँ जनता अपने प्रतिनिधियों को इस विश्वास के साथ चुनती है कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जनसेवा का कार्य करेंगे। मंत्री, सांसद और विधायक लोकतंत्र की उस व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जिन पर शासन और नीति निर्माण की जिम्मेदारी होती है। किंतु समय के साथ यह चिंता भी लगातार बढ़ती जा रही है कि जनप्रतिनिधियों पर होने वाला सरकारी खर्च असामान्य रूप से बढ़ता जा रहा है। यह खर्च केवल वेतन और भत्तों तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें सरकारी आवास, सुरक्षा, यात्रा, वाहनों के काफिले, स्वागत समारोह, विदेश यात्राएँ, प्रचार गतिविधियाँ और अनेक प्रकार की सुविधाएँ भी शामिल हैं। जब देश का सामान्य नागरिक महँगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत समस्याओं से संघर्ष कर रहा हो, तब जनता स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न पूछती है कि क्या जनप्रतिनिधियों के खर्चों में संयम और कटौती की आवश्यकता नहीं है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों का दायित्व केवल शासन करना नहीं, बल्कि अपने आचरण से जनता के लिए आदर्श प्रस्तुत करना भी होता है। इसलिए यदि मंत्री, सांसद और विधायक स्वयं सादगी अपनाएँ, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ेगा। भारत जैसे विकासशील देश में संसाधन सीमित हैं और आवश्यकताएँ अत्यधिक व्यापक हैं। सरकार हर वर्ष लाखों करोड़ रुपये शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, कृषि, सड़क, बिजली और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर खर्च करती है। इसके बावजूद देश के अनेक हिस्सों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव दिखाई देता है। कई सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, अस्पतालों में दवाओं और उपकरणों की कमी है, किसानों को सिंचाई और उचित मूल्य की समस्या झेलनी पड़ती है तथा युवा रोजगार के लिए संघर्ष करते हैं। ऐसे समय में यदि जनता यह देखती है कि जनप्रतिनिधियों पर अत्यधिक खर्च किया जा रहा है, तो उसके मन में असंतोष उत्पन्न होना स्वाभाविक है। लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनावों से नहीं होती, बल्कि जनता के विश्वास से होती है, और यह विश्वास तभी मजबूत होगा जब जनता को यह महसूस हो कि उसके प्रतिनिधि भी उसी संवेदनशीलता और सादगी के साथ जीवन जी रहे हैं जिसकी अपेक्षा आम नागरिकों से की जाती है। पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है कि राजनीति में दिखावा और वैभव शक्ति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किए जाने लगे हैं। लंबे वाहन काफिले, अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था, भव्य कार्यक्रम, महंगे सरकारी आवास और अत्यधिक प्रचार ने राजनीति की छवि को जनसेवा से अधिक विशेषाधिकारों से जोड़ दिया है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि जनता के प्रतिनिधि जनता से दूर होते जा रहे हैं। यह स्थिति लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच जितनी अधिक निकटता होगी, शासन उतना ही अधिक उत्तरदायी और संवेदनशील होगा। यदि मंत्री और विधायक सादगीपूर्ण जीवन शैली अपनाएँ, सामान्य वाहनों का उपयोग करें, अनावश्यक काफिलों और दिखावे से बचें, तो जनता में उनके प्रति सम्मान और विश्वास दोनों बढ़ेंगे।

मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के खर्चों में कटौती की आवश्यकता केवल आर्थिक कारणों से नहीं, बल्कि नैतिक कारणों से भी है। सार्वजनिक जीवन में नैतिक अनुशासन लोकतंत्र की आत्मा होता है। यदि देश का नेतृत्व स्वयं संयम नहीं अपनाएगा, तो जनता को मितव्ययिता और बचत का संदेश प्रभावी ढंग से नहीं दिया जा सकेगा। आज सरकारें नागरिकों से बिजली बचाने, पानी बचाने, ईंधन बचाने और संसाधनों का सीमित उपयोग करने की अपील करती हैं। किंतु यदि जनप्रतिनिधियों का जीवन अत्यधिक विलासिता और अपव्यय का प्रतीक बना रहेगा, तो जनता पर इन संदेशों का नैतिक प्रभाव कम हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि बचत और सादगी की शुरुआत शीर्ष स्तर से हो। इस दिशा में सबसे पहला कदम यह हो सकता है कि मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों की अनावश्यक सुविधाओं की व्यापक समीक्षा की जाए। कई बार एक ही व्यक्ति के लिए अनेक वाहन, अत्यधिक कर्मचारी और बड़ी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है, जबकि उसकी वास्तविक आवश्यकता सीमित होती है। सुरक्षा आवश्यक है, किंतु उसका उपयोग प्रतिष्ठा प्रदर्शन का माध्यम नहीं बनना चाहिए। इसी प्रकार विदेश यात्राओं की संख्या और उन पर होने वाले खर्चों की भी समीक्षा होनी चाहिए।

पेट्रोल के साथ...

अशोक भाटिया

आम जनता को लगा बड़ा झटका, एक हफ्ते में दूसरी बार महंगे हुए पेट्रोल और डीजल

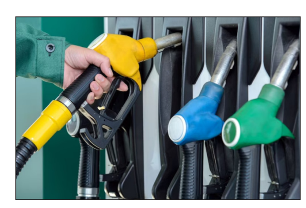

आम जनता को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। एक हफ्ते के भीतर कीमतों में यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है, जिसके कारण दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के सभी प्रमुख शहरों में ईंधन के दाम काफी बढ़ गए हैं। इस कारण आम जनता की जेब पर एक बार फिर महंगाई का बड़ा बोझ बढ़ गया है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी कर दी है। आम लोगों के लिए चिंता की बात यह है कि एक हफ्ते के भीतर ईंधन की कीमतों में की गई यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। इस नए बदलाव के बाद देश के चारों प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल और डीजल खरीदना पहले से महंगा हो गया है। लगातार बढ़ते दामों के कारण आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह से गड़बड़ाने लगा है और आने वाले दिनों में ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में इस नई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे का उछाल आया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल का भाव बढ़कर 98।64 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं अगर कोलकाता की बात करें तो वहां पेट्रोल की कीमतों में सबसे अधिक 96 पैसे की तेजी दर्ज की गई है। इस बड़ी बढ़त के बाद कोलकाता में अब पेट्रोल खरीदारों को एक लीटर के लिए 109।70 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। इन दोनों ही बड़े शहरों में लगातार बढ़ रही कीमतें मध्यम वर्ग के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर रही हैं। वैसे देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल के दाम हमेशा से ही ऊंचे रहे हैं और इस बार भी यहां बड़ा झटका लगा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमतों में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है, जिसके बाद यहां नया रेट बढ़कर 107।59 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दक्षिण भारत के प्रमुख महानगर चेन्नई में भी पेट्रोल की कीमतों में राहत नहीं मिली है। चेन्नई में पेट्रोल के दाम में 82 पैसे की बढ़ोतरी हुई है और अब वहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 104।49 रुपये हो गई है।

पेट्रोल के साथ-साथ डीजल की कीमतों में भी तेल कंपनियों ने बड़ा बदलाव किया है, जिसका सीधा असर कमर्शियल वाहनों और माल ढुलाई पर पड़ेगा। राजधानी दिल्ली में डीजल की कीमत में 91 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यहां नया दाम 91।58 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं कोलकाता में डीजल के दाम 94 पैसे बढ़कर 96।07 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं। मुंबई में भी डीजल की कीमतों में 94 पैसे की ही भारी बढ़ोतरी देखी गई है, जिसके बाद वहां एक लीटर डीजल का भाव 94।08 रुपये हो गया है। चेन्नई में डीजल की कीमत में 86 पैसे की बढ़ोतरी हुई है और वहां अब नया रेट 96।11 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। आम उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि यह बढ़ोतरी बहुत ही कम समय के भीतर हुई है।

जरा हटके

यहीं से इज़रायल और ...

विवेकानंद माथने

ईरान और इजरायल के बीच है, असली अदावत

ईरान ने मध्य-पूर्व में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इजरायल की सीमाओं के निकट 'प्रतिरोध की धुरी' (एक्सिस ऑफ रेसिसटेंस) का गठन किया, जिसमें सीरिया की सरकार, लेबनान का 'हिजबुल्लाह,' गाजा का 'हमास' और यमन के 'हूती' विद्रोही शामिल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी प्रभाव का विरोध करना तथा फिलिस्तीनी संघर्ष का समर्थन करते हुए उनकी भूमि वापस पाना है। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विचारधारा, साम्राज्यवाद-विरोध, धार्मिक मान्यताओं और क्षेत्रीय वर्चस्व की लंबी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है। सवाल है कि 1979 के बाद ईरान इस संघर्ष में कैसे सक्रिय हुआ, उसकी वैचारिक दिशा क्या रही और किस प्रकार यह संघर्ष समय के साथ गहराता हुआ आज व्यापक क्षेत्रीय टकराव का रूप ले चुका है? 1948 में फिलिस्तीन की भूमि पर इजरायल की स्थापना के बाद, फिलिस्तीनियों द्वारा अपनी जमीन और अधिकारों को पुनः प्राप्त करने के प्रयासों के साथ संघर्ष के एक नए दौर की शुरुआत हुई। इस संघर्ष के दौरान इजरायल अपनी सैन्य शक्ति के बल पर लगातार सीमाओं का विस्तार करता गया और फिलिस्तीनियों को उनके ही मूल क्षेत्रों से पीछे धकेलता रहा। विडंबना यह रही कि इन मुद्दों पर वैश्विक प्रतिक्रिया सीमित और असंगत रही है। लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करने वाले किसी भी देश ने इजरायल की विस्तारवादी नीति का विरोध और फिलिस्तीनियों के अधिकारों को बहाल करने के लिए प्रभावी और निर्णायक हस्तक्षेप नहीं किया। 1979 की 'इस्लामी क्रांति' के बाद ईरान में इस्लामी गणराज्य की स्थापना हुई। नई सरकार ने शाह के शासनकाल में इज़रायल के साथ रहे सभी संबंधों को पूरी तरह समाप्त कर दिया। ईरान ने इज़रायल को 'छोटा शैतान' और अमेरिका को 'बड़ा शैतान' की संज्ञा देते हुए इज़रायल को एक अवैध राष्ट्र घोषित कर दिया। इसके साथ ही ईरान ने इज़रायल के साथ सभी राजनयिक संबंध भी खत्म कर दिए। यहीं से इज़रायल और अमेरिका के विरुद्ध ईरान के वैचारिक विरोध की स्पष्ट शुरुआत हुई। 'इस्लामी क्रांति' के बाद ईरान ने दुनिया के उपेक्षित, दबे-कुचले समुदायों के समर्थन को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया। ईरान के अनुसार फिलिस्तीनियों को उत्पीड़ित करके अपनी ही जमीन पर कैदी बना दिया गया है। वह उन लोगों की मदद कर रहा है, जिन्हें दुनिया ने उनके हाल पर छोड़ दिया है। इन परिस्थितियों में ईरान के लिए सशस्त्र प्रतिरोध एक प्रमुख रणनीति के रूप में उभरा। 1982 में लेबनान पर इजरायल के आक्रमण के बाद ईरान ने 'हिज़्बुल्लाह' के गठन में सहयोग दिया, जिससे इजरायल की उत्तरी सीमा पर एक नया दबाव बना। बाद में उसने 'हमास' सहित अन्य समूहों को समर्थन देकर प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय 'प्रॉक्सी युद्ध' की रणनीति अपनाई। ईरान ने मध्य-पूर्व में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इजरायल की सीमाओं के निकट 'प्रतिरोध की धुरी' (एक्सिस ऑफ रेसिसटेंस) का गठन किया, जिसमें सीरिया की सरकार, लेबनान का 'हिजबुल्लाह,' गाजा का 'हमास' और यमन के 'हूती' विद्रोही शामिल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी प्रभाव का विरोध करना तथा फिलिस्तीनी संघर्ष का समर्थन करते हुए उनकी भूमि वापस पाना है। अमेरिका ने ईरान के पड़ोसी देशों में अपने सैन्य ठिकाने स्थापित कर क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और दबाव बनाए रखा है। वहीं, इजरायल 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के प्रस्तावों का उल्लंघन करते हुए 'वेस्ट बैंक' में बस्तियों का विस्तार और गाज़ा की घेराबंदी जारी रखे हुए है। कई विश्लेषकों के अनुसार, यह संघर्ष केवल भूभाग का नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभाव और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा का भी है। ईरान का मानना है कि इजरायल केवल एक देश नहीं, बल्कि मध्य-पूर्व में अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों की एक अग्रिम चौकी है। उसके अनुसार, इजरायल का गठन इस क्षेत्र के संसाधनों पर नियंत्रण रखने और मुस्लिम देशों को कमजोर करने के लिए एक औपनिवेशिक परियोजना के तहत किया गया है। ईरान इस संघर्ष को साम्राज्यवाद और अन्याय के खिलाफ एक व्यापक लड़ाई के रूप में देखता है। इसी संदर्भ में उसने 'अल-कुद्स दिवस' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य फिलिस्तीन के समर्थन में वैश्विक एकजुटता को मजबूत करना है। दूसरी ओर, इजरायल इस पूरे परिदृश्य को अपनी सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखता है। अपनी स्थापना के बाद से ही उसे अपने अस्तित्व के लिए लगातार युद्धों और हमलों का सामना करना पड़ा है। इसलिए वह अपनी सैन्य ताकत, खुफिया नेटवर्क और तकनीकी श्रेष्ठता को बनाए रखने की नीति अपनाता है और विशेष रूप से ईरान जैसे विरोधी देशों को कमजोर करने की रणनीति पर भी काम करता है।

नीट पेपर लीक पर छात्रसंघ का प्रदर्शन

सिर पर सिलेंडर रखकर किया विरोध, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के लगाए नारे

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। NEET परीक्षा में कथित अनियमितताओं और हालिया पेपर लीक के विरोध में छात्रसंघ इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) के खिलाफ तेज नारेबाजी की। छात्रों ने विश्वविद्यालय यूनियन गेट से मार्च निकालकर डीएम कार्यलय की ओर रुख किया और केंद्र सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों के हाथों में कई तख्तियां और पोस्टर थे। जिन पर नौकरी नहीं, पेपर लीक का जाल और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारी छात्रों और नेताओं ने आरोप लगाए कि

सर पर सिलेंडर रखकर भाजपा सरकार शर्म करो के नारे लगाए।

पेपर लीक रैकेट में कई नाम राजनीतिक दलों, खासकर भाजपा से जुड़े हैं। एक प्रदर्शनकारी ने दिनेश बिवाल का नाम लेते हुए कहा कि कई संदिग्धों के संबंध सत्ताधारी दल से जुड़े पाए जा रहे हैं। पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष आदिल हमजा ने कहा कि सालभर मेहनत करने वाले लाखों प्रतियोगी छात्रों का भविष्य कुछ पैसों में बेच दिया जा रहा है। उन्होंने कहा यदि कोई प्रतियोगी छात्र अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करने के लिए त्याग करता है, तो अंत में पता चलता है कि उसका भविष्य 30-40 लाख रुपये में बिक गया।

- सर पर सिलेंडर रखकर भाजपा सरकार शर्म करो के नारे लगाए।
- छात्रसंघ ने विश्वविद्यालय यूनियन गेट से मार्च निकालकर डीएम कार्यलय तक मार्च निकाला।
- छात्र सड़क पर पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी की।

एनटीए चेयरमैन पर गंभीर आरोप

छात्र नेता संदीप विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि NEET पेपर लीक मामले में जितने भी नाम सामने आ रहे हैं, वे कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी (BJP) से जुड़े हुए हैं। उन्होंने दिनेश बिवाल का नाम लेते हुए कहा कि वह भाजपा के नेता रहे हैं और इस पूरे रैकेट में शामिल अधिकांश लोगों के संबंध सीधे तौर पर सत्ताधारी दल से हैं। डॉ. प्रदीप जोशी एबीवीपी के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं और संघ (RSS) के लोगों ने उनकी पैरवी की थी।

वे इससे पहले जहां भी रहे—चाहे छत्तीसगढ़ पीसीएस हो या मध्य प्रदेश पीसीएस (MP PSC)—उनके कार्यकाल में हर जगह पेपर लीक के मामले सामने आए। इसके बावजूद सरकार इस पूरे मामले को दबाने की कोशिश कर रही है।

हाथ में सिलेंडर लेकर प्रदर्शन

छात्र नेता गौरव गौड़ ने महंगाई को भी आज के प्रदर्शन का बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस (LPG) की बढ़ती कीमतों ने छात्रों और आम जनता की कमर तोड़ दी है। गौरव ने बताया कि कई छात्र महंगी गैस सिलेंडर नहीं मिलने के कारण इलाहाबाद छोड़कर घर जा रहे हैं और कुछ छात्र हॉस्टल में भूखे रहने को मजबूर हैं। उन्होंने पेट्रोलियम मंत्रालय से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शनकारी चेतावनी देते हुए बोले कि अगर सरकार ने NEET पेपर लीक और महंगाई के मामलों में तत्काल कार्रवाई नहीं की।

छात्र सड़क पर पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी की।

युवाओं और छात्रों के साथ धोखाधड़ी का आरोप

जब भी छात्र अपने रोजगार या हक के लिए आवाज उठाते हैं, तो सरकार लाठियों के दम पर उनके दमन का प्रयास करती है। जो विपक्ष में रहते हुए छोटी-छोटी बातों पर दूसरों का इस्तीफा मांगते थे।

गोरखपुर पेट्रोल पंप पर लगी गाड़ियों की कतार

हाथ में गैलन लेकर लाइन में लगे लोग

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में मंगलवार सुबह कई पेट्रोल पंप ड्राई हो गए। इस वजह से शहरवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ पेट्रोल पंप पर तेल मिल रहा था, वहां लंबी कतार देखने को मिली। काफी लोग हाथ में गैलन लेकर भी तेल लेने पहुंचे। पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से शहर में सुबह से ही गाड़ियों की संख्या सड़क पर बेहद कम देखने को मिली। जो लोग बाहर निकले, वे पेट्रोल पंप ढूंढते नजर आए। गोरखपुर के धर्मशाला पेट्रोल पंप पर सुबह से ही गाड़ियों की लंबी कतार देखने को मिली। सुबह करीब 10 बजे पेट्रोल पंप से 500 मीटर दूरी तक कार की लाइन लगी हुई थी। वहीं 40 से 50 लोग हाथ में गैलन लेकर लाइन लगाए दिखे।

इसी तरह शहर के टाउनहाल पेट्रोल पंप पर भी तेल लेने के लिए गाड़ियों की लंबी कतार देखने मिली। वहीं काली मंदिर और रेल म्यूजियम के पास के पेट्रोल पंप पर तेल खत्म होने की वजह से लोग वहां जाकर निराश हुए। रेल म्यूजियम के पास स्थित पेट्रोल पंप पर बाइक से आए राजेश ने बताया कि कई पेट्रोल पंप ट्राई करते हुए यहां आया। यहां भी तेल नहीं मिला। अब आगे जाकर और भी पेट्रोल पंप देखूंगा। इसी तरह दीपक ने बताया कि लाइन देखकर तेल भराने जाने का मन ही नहीं कर रहा है।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में इंटर तक स्कूल 25-मई तक बंद

वाराणसी। वाराणसी में हीट वेव के अलर्ट के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले के सभी बोर्ड के इंटर तक के विद्यालय 25 मई तक बंद कर दिए गए हैं। इस आशय की जानकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने दी है। जिले के स्कूलों को जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव को देखते हुए बंद करने का फैसला लिया गया है। जो भी स्कूल इस अवधि में खुले पाए जाएंगे उनपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मां का कटा हाथ लेकर कमिश्नर के पास पहुंचा जवान

कानपुर। 'साहब मैं सेना का जवान हूं। ये मेरी मां का कटा हुआ हाथ है। इसके बाद भी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। मेरी मां के पेट में समस्या थी। टाटमिल चौराहा स्थित कृष्णा अस्पताल में गलत इलाज के चलते हाथ काला पड़ गया। इंफेक्शन होने के बाद हाथ काटना पड़ा। मैं तीन दिन से थाने, चौकी और एडीसीपी से लेकर डीसीपी के यहां चक्कर काट रहा हूं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं कर रहा है।' यह बताते हुए सैनिक फफक पड़ा।

भीषण गर्मी और लू की चपेट में आगरा, टूरिस्ट बेहाल

आगरा। आगरा में लू के थपेड़ों और शरीर को झुलसा देने वाली धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया है। दिन का तापमान सामान्य से 3.6°C अधिक हो गया है। रात भी तपने लगी है। अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 2.3°C अधिक है। भीषण गर्मी और लू के चलते ताजमहल सहित अन्य स्मारकों पर टूरिस्ट का ग्राफ गिर गया है।

बरेली में लव मैरिज के 7 महीने बाद युवती की मौत, पिता बोला- प्यार में फंसाकर शादी की, अब मार डाला

'मेरी बेटी को मारकर लटका दिया'

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में शादी के 6 महीने बाद एक महिला की मौत हो गई। महिला का शव फंदे से लटका मिला। मायके वालों ने पति और सास-ससुर पर हत्या का आरोप लगाया है। महिला के पिता का कहना है मेरी बेटी नाबालिग थी, तब युवक ने बहला-फुसला-कर उसे प्यार में फंसा लिया। इसके बाद दोनों ने लव मैरिज कर ली। शादी के 7 महीने बाद ही मेरी बेटी को मारकर फंदे से लटका दिया। पिता ने कहा कि लव मैरिज के बावजूद भी ससुराल वाले दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करते थे। मायके वालों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी पति को हिरासत में लिया है। वहीं, सास-ससुर और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। घटना कैंट थाना क्षेत्र के लाल फाटक इलाके में

> प्रदीप मिश्र ने बताया 6-7 अक्टूबर को अमित मंडल ने कोमल से लव मैरिज कर ली। जिस लड़के से शादी की थी वो कुर्मी है और हम लोग ब्राह्मण हैं। लेकिन हमने सोचा बेटी खुश रहे, चाहे जहां भी रहे। हमें क्या पता था कि ये जल्लाद मेरी बेटी को मार डालेंगे।

सोमवार देर रात हुई। परिजनों ने शिकायत आज दर्ज कराई। कोमल के भाई अनुराग मिश्र कहा- मेरी बहन की बेरहमी से हत्या की गई है। पुलिस ने आरोपी पति को तो गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन अभी सास, ससुर और अन्य ससुराली फरार हैं। जब तक इन सभी आरोपियों को गिरफ्ता किया जाए।

10वीं क्लास में एक-दूसरे से हुई मुलाकात

लाल फाटक इलाके में रहने वाले प्रदीप मिश्र ऑटो ड्राइवर हैं। प्रदीप मिश्र ने बताया- सन 2025 में मेरी बेटी कोमल मिश्रा (18) लाल फाटक पर एक स्कूल में हाईस्कूल की पढ़ाई कर रही थी। उसी स्कूल में सुभाष नगर थाना क्षेत्र के शांति विहार का रहने वाला अमित मंडल (19) भी पढ़ाई करता था। दोनों एक स्कूल में थे, ऐसे में उनकी दोस्ती हो गई। करीब 7 महीने पहले 4 अक्टूबर 2025 को अमित मंडल मेरी बेटी कोमल को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। उस वक्त कोमल नाबालिग थी। हमने पुलिस से शिकायत की। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

दहेज के लिए प्रताड़ना और पहले भी जानलेवा हमला

कोमल के पिता ने बताया- शादी के बाद से बेटी को पति, सास और ससुर बहुत परेशान करते थे। वे ताने देते थे कि फ्री में शादी कर ली और दहेज में कुछ भी लेकर नहीं आई। इस बात को लेकर वे रोज कोमल को मारते-पीटते थे। करीब एक महीने पहले ससुराल वालों ने कोमल के हाथ की नस भी काट दी थी।

शुभेंदु पीए हत्याकांड में बंगाल पुलिस का गाजीपुर में छापा

दो युवकों की तलाश में दबिश दी, आरोपी के भतीजे को उठाया

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के PA चंद्रनाथ रथ की हत्या में सोमवार की रात गाजीपुर में पं बंगाल पुलिस ने छापा मारा। संजय और विनय की तलाश में पुलिस ने दोनों के घरों की तलाशी ली। लेकिन दोनों पकड़ में नहीं आए। इसके बाद संजय के भतीजे अमन को पुलिस ने पकड़ा। उससे लंबी पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। इधर, सोमवार को ही बलिया के रहने वाले राजकुमार सिंह को CBI ने मुजफ्फरनगर से पकड़ा। इससे पहले 10 मई को बलिया के ही रहने वाले राज सिंह को अयोध्या से पकड़ा गया था। बंगाल चुनाव के नतीजे आने के 2 दिन बाद 6 मई को 42 साल के

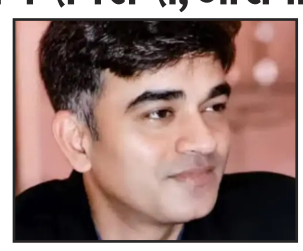

चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उनकी कार रुकवाकर कई राउंड फायरिंग की थी। चंद्रनाथ रथ को सीने और पेट में 3 गोलियां लगी थीं। मामला गंभीर होने की वजह से मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के निजी सहायक (PA) चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में जांच तेज हो गई है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से रविवार देर रात गाजीपुर जिले के जमानियां क्षेत्र में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। पुलिस टीम ने देवरिया और मतसा गांवों में संभावित ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की। पांच गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंची टीम ने संदिग्धों की तलाश में कई घरों की घेराबंदी की। सूत्रों के मुताबिक, टीम विनय राय और संजय राय की तलाश में पहुंची थी, लेकिन दोनों मौके पर नहीं मिले। मतसा गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई घरों के दरवाजे खुलवाने की कोशिश की। जब परिजनों ने दरवाजे नहीं खोले, तो पुलिस टीम ने दीवार फांदकर घरों में प्रवेश किया और गहन तलाशी ली। हालांकि इस कार्रवाई में मुख्य आरोपियों के बारे में कोई ठोस सुराग नहीं मिला।

गंगा में स्नान करते समय युवक डूबा

गाजीपुर से बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आया था

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के तुलसी घाट पर मंलवार तड़के एक 21 साल का युवक गंगा में डूब गया। सूचना मिलने पर एनडीआरएफ और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद युवक का शव बाहर निकाला गया। वह गाजीपुर से बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी आया था। मृतक की पहचान गाजीपुर जिले के रेवतीपुर निवासी तुषार राय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तुषार अपने साथियों के साथ वाराणसी आया था। सभी लोगों ने पहले गंगा स्नान और उसके बाद श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन का कार्यक्रम बनाया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सोमवार भोर करीब तीन बजे तुषार अपने साथियों के साथ तुलसी घाट पहुंचा था। स्नान के दौरान वह घाट

NDRF ने युवक को बाहर निकाला।

पर सुरक्षा के लिए लगाई गई जेटी को पार कर गंगा नदी के गहरे हिस्से में पहुंच गया। घाट पर मौजूद लोगों ने उसे आगे जाने से रोका भी, लेकिन उसने किसी की बात नहीं सुनी। स्थानीय लोगों के मुताबिक गर्मी के कारण इन दिनों गंगा का जलस्तर कम है और बहाव भी अपेक्षाकृत धीमा है। इसी वजह से युवक काफी अंदर तक चला गया, जहां अचानक गहरे पानी में पहुंचने के बाद वह डूबने लगा।

कानपुर के जू में सांप को हीट स्ट्रोक से बचने के लिए कूलिंग पैड रखा गया

कोबरा गर्मी से परेशान, बर्फ की बोतल से लिपटा

> अमेरिका के अमेजन जंगलों में पाया जाने वाला शाकाहारी जीव 'इगुआना' भी आकर्षण का केंद्र है, जिनकी संख्या चार है।

डीप फ्रीजर की बर्फ और जूट की बोरी का बनाया 'कूलिंग पैड'

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। आज शहर का तापमान 43.2°C के आसपास रहा है। अब गर्मी का असर कानपुर चिड़ियाघर (जू) के रेंगने वाले जीवों (रेप्टाइल्स) पर भी दिखने लगा है। सांप और इगुआना जैसे ठंडे खून वाले जीव भी अब इस तपिश भरी गर्मी से परेशान है। सांपों को इस गर्मी से बचाने के लिए कानपुर-जू प्रशासन ने एक अनोखी और देसी जुगाड़ निकाली है। यहां पहली बार सांपों के बाड़ों में बर्फ की बोतलों का इंतजाम किया गया है। बाड़े में रहने वाले सांप और इगुआना अब बोतलों पर बैठ कर आइस मसाज ले रहे हैं। डॉ. नासिर के मुताबिक,

कानपुर चिड़ियाघर में इस समय लगभग 8 प्रजातियों के 50 सांप मौजूद हैं। इनमें जहरीले सांपों में कोबरा और रसेल वाइपर शामिल हैं, जबकि बिना जहर वालों में रॉक पाइथन, सैंड बोआ, कॉमन ट्रिंकेट और वॉटर स्नेक हैं। यहाँ साउथ-ईस्ट एशिया में पाया जाने वाला 'रेटिकु-लेटेड पाइथन' भी है। इन सांपों को डाइट में सफेद चूहे दिए जा रहे हैं।

37 डिग्री से ज्यादा तापमान पर सांप विचलित हो जाते हैं

जू के वन्यजीव चिकित्सक डॉ. नासिर ने बताया कि, रेप्टाइल्स वर्ग के जीव (जैसे सांप, छिपकलियां, मगरमच्छ) तापमान के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं।

इन्हें 'कोल्ड ब्लडेड' या साइंटिफिक भाषा में 'पोइकिलोथ-र्मस' एनिमल कहा जाता है। इसका मतलब है कि इनके शरीर में पसीने की ग्रंथियां (स्वीट ग्लैंड्स) नहीं होतीं और ये एक तय सीमा तक ही अपने शरीर के तापमान को माहौल के हिसाब से बदल सकते हैं।

यदि बाड़े का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से कम हो जाए, तो इनका पाचन तंत्र खराब हो जाता है।

वहीं, अगर तापमान 37 से 40 डिग्री के पार चला जाए, तो इन्हें हीट स्ट्रोक (लू लगना) का खतरा हो जाता है। अत्यधिक गर्मी से सांपों के शरीर पर जलने जैसे निशान उभर आते हैं और उनकी मौत तक हो सकती है।

कानपुर जू ने सांपों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए जू के डायरेक्टर कन्हैया पटेल के निर्देश पर प्लास्टिक की बोतलों में पानी भरकर उन्हें डीप फ्रीजर में जमाया जा रहा है। इसके बाद इन बर्फीली बोतलों के ऊपर जूट का बोरा लपेटकर उसे सिल दिया जाता है। जिससे बोतलों में जमी हुई आइस लंबे समय तक बनी रहती है। इन बोतलों को सांपों के बैठने वाली जगहों और पानी के टैंकों में रखा जा रहा है।

वारदात : चाचा ने अपनी मां के साथ मिलकर हंसिया से गला रेता, पेट और सीने में 8 वार किए

8 साल की बच्ची की हत्या

- बच्ची कक्षा 2 की छात्रा थी, वह प्राथमिक स्कूल में पढ़ती थी।
- गांव में पुलिस बल तैनात है। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

करछना। प्रयागराज में नाबालिग चाचा ने अपनी मां के साथ मिलकर 8 साल की भतीजी की हत्या कर दी। उसका शव भूसे के कमरे में खून से लथपथ पड़ा मिला। आरोपियों ने हंसिया से पहले बच्ची का गला रेता। फिर उसके सीने और पेट में 8 वार किए। पुलिस ने आरोपी बच्ची की चचेरी दादी, दादा समेत 5 लोगों को हिरासत में लिया है। जबकि मुख्य आरोपी नाबालिग चाचा फरार है।

जान्हवी, मृतका

आरोपी महिला ने बताया कि मेरा छोटा बेटा बच्ची को घर लेकर आया था। वह उसे आपत्तिजनक वीडियो दिखा रहा था। वहीं बच्ची की दादी ने कहा जैसे मेरी बच्ची तड़पी है, वैसे ही आरोपियों को भी तड़पाया जाए। बच्ची सोमवार शाम करीब 6 बजे घर के बाहर से लापता हो गई थी। रात करीब 12 बजे आरोपी महिला के बड़े बेटे ने शव के बारे में बच्ची के घरवालों को जानकारी दी। घटना औद्योगिक थाना क्षेत्र की है। हत्या की सूचना मिलने पर एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह, औद्योगिक थाना प्रभारी कमलेश कुमार और करछना थाना प्रभारी प्रवीण कुमार गौतम मौके पर पहुंचे।

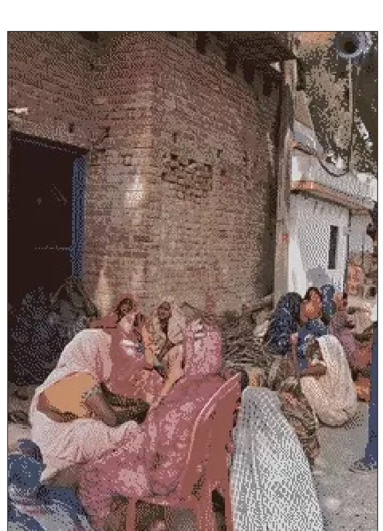

> एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बच्ची को उस-का 16 साल का चाचा अपने घर लेकर गया था। यहां वह उसे भूसे के कमरे में ले गया। वहां उसे आपत्तिजनक वीडियो दिखा रहा था। इसी बीच आरोपी की मां गीता भी मौके पर पहुंच गई।

घर के बाहर से खेलते समय लापता हुई

व्योहरा गांव के रहने वाले सुनील कुमार चौधरी राजमिस्त्री हैं। परिवार में पत्नी इंदु देवी और 4 बच्चे हैं। बच्चों में जान्हवी (8), मानवी (6), सुमित (5) और शुभ्यांशु (3) हैं। उनकी बड़ी बेटी जान्हवी कक्षा 2 की छात्रा है। सोमवार को वह घर के बाहर खेल रही थी। शाम करीब 6 बजे वह अचानक लापता हो गई। घरवालों ने पूरे गांव में उसे खोजा। मगर उसका पता नहीं चला। रात करीब 12 बजे बच्ची का बड़ा चाचा करन सुनील के घर पहुंचा।

कॉलसेंटर में नौकरी के बहाने ठगने वाले 6 गिरफ्तार

वाराणसी में प्रोडेक्ट सेलिंग के नाम पर 250 से ठगी, युवक-युवतियों ने बताई कहानी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाले गिरोह का सारनाथ पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में 6 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया है। सभी से थाने में पूछताछ कर उनके नेटवर्क खंगाल रही है। आरोपी युवाओं को बरगलाकर उनसे पैसे ऐंठ लिया करते थे। आरोपी खुद को कॉल सेंटर का संचालक बताते थे और इसी का झांसा देकर युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी किया करते थे। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है। मंगलवार को एसीपी के साथ सारनाथ थाना पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का मंगलवार को वाराणसी पुलिस ने पर्दाफाश कर छह

लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने नई बाजार इलाके में छापेमारी कर युवाओं के साथ ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को मुखबिर द्वारा सूचना मिलने के बाद सारनाथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वहां से 6 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी कॉल सेंटर संचालित करते हैं, लेकिन मौके पर कॉल सेंटर के संचालन से संबंधित किसी भी तरह के दस्तावेज या प्रमाण नहीं मिले। इससे यह साफ है कि युवाओं के साथ यह गिरोह ठगी किया करता था। गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया पर ऐड डालते थे और फोन कॉल के जरिए युवाओं से संपर्क साधा करते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी वाराणसी और देश की विभिन्न कंपनियों में उनके संपर्क होने की बात किया करते थे और युवाओं को झांसे में लेकर उनसे ठगी करते थे। पुलिस ने बताया कि नौकरी का भरोसा देकर युवाओं से रजिस्ट्रेशन कराया जाता था और उनकी ट्रेनिंग भी होती थी। यही नहीं, सिक्योरिटी डिपॉजिट के नाम पर भी युवाओं से रकम वसूली जाती थी। अब तक सैकड़ों युवक और युवतियां इस गिरोह के झांसे में आ चुके हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों का नेटवर्क कई दिनों से सक्रिय था। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ पुलिस को शिकायत भी मिली थी।

पर्यावरणीय अध्ययन और सतत विकास में भू-स्थानिक तकनीकों की उपयोगिता पर विशेषज्ञों ने डाला प्रकाश

बरेली कॉलेज में जीआईएस प्रशिक्षण का नौवां दिन संपन्न

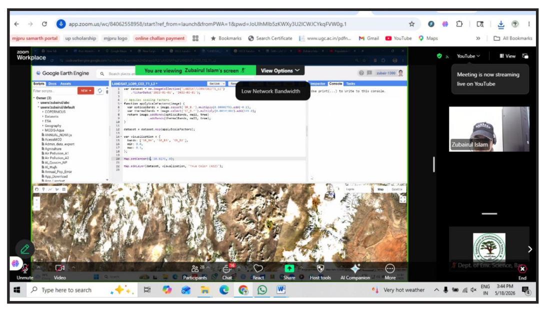

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "नेविगेटिंग द फ्यूचरः जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग" के नौवें दिवस का आयोजन सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन बरेली कॉलेज के स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निर्देशक प्रोफेसर ए.पी. सिंह के निर्देशन में किया गया। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों,

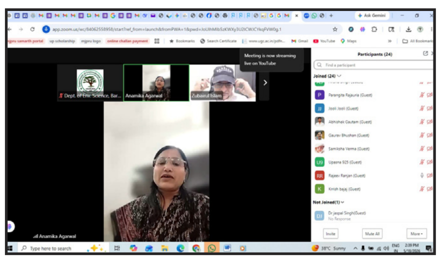

महाविद्यालयों और शोध संस्थानों से विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने जूम और यूट्यूब लाइव के माध्यम से सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को जीआईएस (Geographic Information System) एवं रिमोट सेंसिंग जैसी आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों के व्यावहारिक और शोधपरक उपयोग से परिचित कराना रहा। उन्होंने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग का उपयोग लगातार बढ़ रहा है और विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए इन तकनीकों

"पर्यावरणीय अध्ययन में रिमोट सेंसिंग की भूमिका महत्वपूर्ण"

कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जसपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक तकनीकों का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय अध्ययन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन तथा सतत विकास जैसे क्षेत्रों में इन तकनीकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है।

का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना समय की प्रमुख आवश्यकता बन गया है। अपने व्याख्यान में प्रोफेसर जुबैरुल इस्लाम ने रिमोट सेंसिंग तकनीकों के विकास, उनके आधुनिक उपयोग और पर्यावरणीय अनुसंधान में उनकी बढ़ती उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की।

प्रो. अनामिका अग्रवाल ने किया संचालन

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अनामिका अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए उनके शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं शोध योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाते हुए प्रतिभागियों को विषय की उपयोगिता से अवगत कराया।

नाइजीरिया से जुड़े अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ

कार्यक्रम के नौवें दिवस के मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रिमोट सेंसिंग एवं भू-स्थानिक विज्ञान विशेषज्ञ प्रोफेसर जुबैरुल इस्लाम रहे। वह हेंसार्ड यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसेज के डीन पद पर कार्यरत हैं।

उन्होंने "पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों एवं सतत विकास में रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग" विषय पर विस्तृत, शोधपरक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनके व्याख्यान में आधुनिक तकनीकों के वैज्ञानिक उपयोग और व्यावहारिक पक्ष को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

> मुख्य वक्ता ने बताया कि वर्तमान समय में रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग जलवायु परिवर्तन अध्ययन, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन, जैव विविधता संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों की सतत निगरानी में तेजी से बढ़ रहा है।

ईद-उल-अजहा पर अमरोहा प्रशासन अलर्ट

अमन कमेटी ने की शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

अमरोहा। ईद-उल-अजहा के त्योहार के मद्देनजर अमरोहा प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को अमरोहा नगर कोतवाली में अमन कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ सिटी अभिषेक यादव सहित पुलिस और प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने सभी समुदायों के लोगों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया। प्रशासन ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी से लगातार निगरानी रखी जाएगी। कुर्बानी के बाद शहर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए नगर पालिका को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। भड़काऊ पोस्ट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने कहा कि ईद-उल-अजहा प्रेम और भाईचारे का त्योहार है, जिसे सभी लोग मिलजुल कर मनाएं। उन्होंने किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस या प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

फास्ट न्यूज

ट्रांसफार्मर में लगी आग

मथुरा। मथुरा के थाना हाईवे क्षेत्र स्थित पुष्पांजलि उपवन कॉलोनी में देर रात एक विद्युत ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में ट्रांसफार्मर आग के गोले में बदल गया। ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर कॉलोनी में अफरा-तफरी मच गई। दहशत में कई परिवार अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के मुताबिक आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं।

15 फीट ऊंची ताजिया रखने के सख्त निर्देश

गोंडा। गोंडा में मोहर्रम और चेहल्लुम त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैंजिला प्रशासन लगातार धर्मगुरुओं के साथ बैठकें कर रणनीति बना रहा है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) आलोक कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है। इस बैठक में जिला प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब गोंडा में किसी भी ताजिये की ऊंचाई 15 फीट से अधिक नहीं होगी। यदि कोई ताजिया 15 फीट से ऊंचा पाया जाता है, तो उसे नियम विरुद्ध माना जाएगा और शहर में निकालने में बाधा आएगी।

अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

एटा। लखनऊ में अधिवक्ताओं पर हुए कथित लाठीचार्ज और चैंबर तोड़े जाने की घटना के विरोध में कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन, एटा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिलाधिकारी अरविंद सिंह के माध्यम से भेजा गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने प्रदेशभर में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल लागू करने और चैंबर निर्माण की मांग उठाई।

पीएनबी बैंक में चोरी की कोशिश

दीवार काटकर घुसे चोर, नकदी और सामान सुरक्षित

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। बदायूं के दातागंज कोतवाली क्षेत्र में स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की एक शाखा में चोरी का प्रयास किया गया। अज्ञात चोरों ने बैंक की दीवार काटकर अंदर घुसने की कोशिश की, हालांकि वे नकदी या कोई अन्य सामान चुराने में सफल नहीं हो सके। यह पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। यह घटना दातागंज क्षेत्र के डहरपुर गांव स्थित पीएनबी शाखा में हुई। बताया जा रहा है कि सोमवार रात चोरों ने बैंक की पिछली दीवार काटकर अंदर घुसने का प्रयास किया। मंगलवार सुबह जब सफाई कर्मचारी बैंक पहुंचा और चैनल का ताला खोला, तो उसने कटी हुई दीवार और अस्त-व्यस्त

सामान देखा। इसके बाद तत्काल बैंक अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दातागंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने बैंक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध युवक बैंक परिसर में घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस अब इसी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है।

दरोगा समेत 10 पुलिसकर्मी सस्पेंड

ड्यूटी और जांच में लापरवाही समेत अलग-अलग मामलों में हुई कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में ड्यूटी में लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों में बड़ा एक्शन लिया गया है। अलग-अलग मामलों में 10 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। इनमें दरोगा, हेड कांस्टेबल और सिपाही शामिल हैं। कार्रवाई चेन स्नैचिंग की घटनाओं में लापरवाही, जनसुनवाई में उदासीनता और पुलिसकर्मियों से अवैध वसूली जैसे मामलों में की गई है। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने साफ कहा है कि ड्यूटी में लापरवाही और भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में सीधे निलंबन की कार्रवाई होगी। कविनगर थाने की गोविंदपुरम चौकी पर तैनात सब इंस्पेक्टर राहुल राठी को भी निलंबित किया गया है।

ये तस्वीर पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड की है। -फाइल फोटो

चेन स्नैचिंग में लापरवाही पर चौकी स्टाफ सस्पेंड

सिहानीगेट थाना क्षेत्र की लोहियानगर चौकी इलाके में 18 मई को हुई चेन स्नैचिंग की घटना में लापरवाही पाए जाने पर चौकी इंचार्ज कमलदेव सिंह, दरोगा मनीष वर्मा, हेड कांस्टेबल अजय कुमार और सिपाही रोहित कुमार को सस्पेंड कर दिया गया। वहीं कविनगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुरम में महिला से चेन लूट की घटना के मामले में चीता मोबाइल पर तैनात हेड कांस्टेबल मलखान सिंह पर भी कार्रवाई की गई है।

पुलिसकर्मियों से वसूली करने वाला हेड कांस्टेबल सस्पेंड

पुलिस लाइन ऑफिस में तैनात हेड कांस्टेबल राजीव कुमार और लिपिकीय कार्य देख रहे एसआई हरेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है। जांच में सामने आया कि राजीव कुमार पुलिसकर्मियों से खुलेआम पैसे वसूलता था। आरोप है कि उसने एक पुलिसकर्मी का फर्जी मेडिकल लगवाकर ड्यूटी में मदद भी कराई थी।

> बताया जा रहा है कि राजीव लंबे समय से सांठगांठ कर कार्यालयों में ही तैनाती लेता रहा। डीसीपी लाइन/सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि दोनों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। आरोप है कि उन्होंने कोर्ट के आदेश पर समय से कार्रवाई नहीं की और उच्च अधिकारियों के निर्देशों की भी अनदेखी की।

यूपी के नाबालिग का कश्मीर में धर्म परिवर्तन, नाम हमजा

बिजनौर। बिजनौर के एक 17 साल के लड़के का जम्मू-कश्मीर में धर्म परिवर्तन कराए जाने का मामला सामने आया है। परिवार को इसकी जानकारी दो दिन पहले ही हुई। जब लड़के ने खुद फोन कर इस्लाम कबूल करने की बात बताई और कुछ तस्वीरें भेजीं। इस बीच गांव वालों को सोशल मीडिया पर लड़के के धर्म परिवर्तन के वीडियो दिखे। जिसमें लड़का इस्लाम धर्म कबूल करते और मस्जिद में कलमा पढ़ते दिखाई दे रहा है। इसमें बताया गया कि उसका नाम हमजा रख दिया गया है। पिता का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से बेटे का व्यवहार बदला हुआ था। अब फोन पर कह रहा है कि मैं अब तुमसे बहुत दूर जा चुका हूं। मुझे हिंदू धर्म में नहीं आना है। मैंने अपनी मर्जी से इस्लाम कुबूल किया है। मेरा नया नाम हमजा है। सोशल मीडिया वाले वीडियो के बारे में पूछने पर बताया कि उसने कोई वीडियो अपलोड नहीं किया है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर कार्यकर्ताओं ने 'मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

- कांग्रेस नेताओं ने कहा- 2014 में अंतराष्ट्रीय कच्चा तेल मंहगा था।
- प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस लाइन स्थित पेट्रोल पंप पर एकत्र हुए।

तमसा संकेत, एजेंसी

माथुर। पेट्रोल-डीजल के दामों में की गई बढ़ोतरी के विरोध में मंगलवार को मथुरा में कांग्रेस पार्टी ने सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने पहुंचे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गेट पर ही रोक दिया गया। लेकिन वह नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और बढ़े हुए दाम वापस लेने की मांग की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्यव्यापी आवाहन पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला मुख्यालय पर पेट्रोल,डीजल, एल पी जी और सी एन जी गैस के दामों में बढ़ोतरी व मंहगाई के विरोध में कार्यकर्ताओं ने

विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा- आर्थिक संकट का बोझ जनता पर डाला गया है इसकी भर्त्सना की जाती है। प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस लाइन स्थित पेट्रोल पंप पर एकत्र हुए और वहां से जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर की अगुवाई में जुलूस की शक्ल में जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे। जहां सभा करके पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मुकेश धनकर ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल,सीएनजी पर लगातार दाम बढ़ाए जा रहे हैं। जिसका सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की जेब पर पड़ रहा है। रोजमर्रा की वस्तुएं व खाद्य पदार्थ मंहगे होते जा रहे हैं। जिससे जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। जो घरेलू गैस सिलेंडर 400 रूपए में आता था, उसे 1000 तक पहुंचा दिया। कामर्शियल 3000 कर दिया। कांग्रेस नेताओं ने कहा 2014 में अंतराष्ट्रीय कच्चा तेल मंहगा था। पेट्रोल लगभग 70 रुपए लीटर मिल रहा था। 2014 के बाद जब दुनिया में कच्चा तेल सस्ता हुआ, लेकिन मोदी सरकार ने टैक्स ठोककर जनता की जेब काटने का काम किया और जनता को लाभ न देकर अपने उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाया। मोदी सरकार की विदेशनीति के कारण देश में ऊर्जा संकट पैदा किया जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी महंगी हुई

पेट्रोल 98.44, डीजल 91.74 रुपए लीटर और सीएनजी 88.70 रुपए किलो बिक रही

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 19 मई से फिर बढ़ोतरी हो गई है। इस बार दोनों ईंधनों के दाम औसतन 90-90 पैसे प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। पिछले पांच दिनों में यह दूसरी बार है जब कीमतों में इजाफा हुआ है।

इससे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 3-3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए गए थे। वहीं, एक सप्ताह के भीतर सीएनजी के दामों में भी दो बार बढ़ोतरी की जा चुकी है। लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब आम लोगों की जेब पर दिखाई देने लगा है।

गाजियाबाद पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन कुमार शर्मा ने बताया कि गाजियाबाद में आज से पेट्रोल 98.44 रुपए प्रति लीटर और डीजल 91.74 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी पेट्रोल पंपों पर नए

रेट बोर्ड और मशीनों पर अपडेट कर दिए गए हैं, ताकि ग्राहकों को सही जानकारी मिल सके। दिल्ली-एनसीआर में 17 मई से सीएनजी की कीमत में 1 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है।

48 घंटे के भीतर यह दूसरी बढ़ोतरी है। नई कीमतों के बाद दिल्ली में सीएनजी 80.09 रुपए प्रति किलो हो गई है, जबकि गाजियाबाद और नोएडा में इसका रेट 88.70 रुपए प्रति किलो पहुंच गया है।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव से पहले सरकार ने उस समय 2 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। इसके बाद लंबे समय तक कीमतों में बदलाव नहीं हुआ था।

वहीं कविनगर निवासी अंकुश अरोड़ा ने कहा कि लोगों को जरूरत के हिसाब से ही वाहनों का इस्तेमाल करना चाहिए और ईंधन की बचत पर ध्यान देना चाहिए।

लोगों ने जताई चिंता

गाजियाबाद निवासी अमित का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सीएनजी वाहनों का इस्तेमाल करते हैं और बार-बार दाम बढ़ने से अब लोग दोपहिया वाहनों की ओर जाने की सोच रहे हैं।

वहीं कविनगर निवासी अंकुश अरोड़ा ने कहा कि लोगों को जरूरत के हिसाब से ही वाहनों का इस्तेमाल करना चाहिए और ईंधन की बचत पर ध्यान देना चाहिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

एक हफ्ते में दूसरी बार...

वहीं डीजल का भाव भी 90 पार हो गया है। सीएम नायब सैनी सुबह साइकिल से सुखना लेक पहुंचे। लुधियाना में पेट्रोल की कीमत 101.11 से बढ़कर 101.98 हो गई है, यानी इसमें 85 पैसे की बढ़ोतरी हुई। वहीं डीजल के दाम 90.90 से बढ़कर 91.79 पहुंच गए, जिससे 89 पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ है। जालंधर में पेट्रोल पहले 100.40 का था, तो अब बढ़ाकर 101.41 हो गया, जबकि डीजल 90.35 से बढ़ाकर 91.24 हो गया हैं। रायपुर में पेट्रोल की कीमत करीब 104.32 रुपए प्रति लीटर पहुंच गई है, जबकि डीजल करीब 97.38 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। बस, ऑटो और स्कूल वाहनों के किराए में भी आने वाले दिनों में इजाफा देखने को मिल सकता है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

आर्थिक तूफान आने...

राहुल गांधी ने खीरो गांव में छोटी जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद वह लालगंज में महिला संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। फिलहाल वह रायबरेली गेस्ट हाउस में रुके हुए हैं। 20 मई को वह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मिलेंगे। स्वतंत्रता सेनानी वीरा पासी की मूर्ति का अनावरण करेंगे। इसके बाद अमेठी रवाना हो जाएंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राहुल गांधी 6 बार रायबरेली आ चुके हैं। यह उनका 7वां दौरा है। इससे पहले, 19 जनवरी 2026 को रायबरेली आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल 2027 में विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। चंद्रनाथ की मां भी शुभेंदु के साथ भाजपा में गई थीं शुभेंदु की तरह चंद्रनाथ का परिवार भी पहले TMC से जुड़ा था। उनकी मां हाशी रथ ने TMC शासन के दौरान पूर्व मेदिनीपुर में स्थानीय पंचायत निकाय में पद संभाला था, लेकिन 2020 में शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा में शामिल हो गईं।

सीएम शुभेंदु के...

हमलावरों द्वारा कार रुकवाकर की गई फायरिंग में चंद्रनाथ को 3 गोलियां लगी थीं। इस गंभीर मामले की जांच कर रही सीबीआई ने आरोपी को मुजफ्फरनगर के एक टोल प्लाजा के पास से राजकुमार को पकड़ा था। इसके बाद अन्य आरोपियों की तलाश में सीबीआई की टीम वाराणसी सहित आस-पास के जिलों में गिरफ्तार राजकुमार सिंह से पूछताछ के आधार पर सक्रिय थी। इसी क्रम में वाराणसी से गाजीपुर के विनय राय पमपम को वाराणसी पुलिस लाइन के पास से गिरफ्तार कर लिया।

टीम उसे पहले कैंट थाने लेकर पहुंची और आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद उसे कोर्ट में पेश कर अपने साथ ले गई। देवरिया गांव निवासी विनय राय पर हत्या, हत्या के प्रयास और गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2017 में नन्हकू यादव की हत्या और अरविंद यादव को गोली मारने के मामले में भी उसका नाम सामने आया था। 2012 में दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर से अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तारी के बाद वह तिहाड़ जेल भी जा चुका है।

बलिया के रहने वाले त्रिभुवन नारायण सिंह एलएंडटी में अयोध्या में काम करते थे। मार्च महीने में रिटायर होने के बाद से वह घर पर ही हैं। उनके 2 बेटे और एक बेटी है। बेटी सबसे बड़ी है। सबसे छोटा बेटा कक्षा-5 में पढ़ता है। राजकुमार सिंह त्रिभुवन का बड़ा बेटा है।

उसने बीए फर्स्ट ईयर तक पढ़ाई की है। मन नहीं लगने से उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। इसके बाद वह मुंबई में क्रेन हेल्पर का काम करने लगा था। लेकिन, 8 महीने पहले काम छोड़कर घर आ गया था।

राजकुमार पासपोर्ट बनवाकर कामधंधे के सिलसिले में विदेश जाने की तैयारी कर रहा था। करीब 3 साल पहले बलिया के रत्तोपुर गांव में हरिजन समाज के लोगों से हुए झगड़े में नाम आने पर वह जेल जा चुका है। PA चंद्रनाथ रथ की हत्या में 10 मई को बलिया के रहने वाले राज सिंह को अयोध्या से पकड़ा गया था। इसके बाद उसे कोर्ट से 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया था। गिरफ्तारी के बाद राज सिंह का एक पोस्टर सामने आया था। इसमें उसने खुद को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का प्रदेश महासचिव बताया है। उसके फेसबुक अकाउंट में मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ की तस्वीर है। पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के साथ उसकी रील भी है। पड़ोसियों के मुताबिक, राज नेता बनना चाहता था। वह ब्लॉक प्रमुख का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। जांच एजेंसियों का मानना है कि हत्या की साजिश और वारदात में कम से कम 8 लोग शामिल थे। इन लोगों ने PA चंद्रनाथ रथ को मारने से पहले कई दिनों तक रेकी की थी।

हमलावरों की कार हत्या से पहले बाली टोल प्लाजा से गुजरी थी। यहां कार में मौजूद एक व्यक्ति ने UPI के जरिए टोल पेमेंट किया था। इसी डिजिटल ट्रांजैक्शन से जुड़े मोबाइल नंबर के जरिए पुलिस ने एक आरोपी की पहचान की। फिर बाकी आरोपियों तक पहुंच गई। वहीं, बंगाल पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद चंद्रनाथ रथ की हत्या में सुपारी किलर्स के शामिल होने की आशंका जताई थी। पुलिस ने कहा था कि रथ की हत्या प्लानिंग के तहत की गई।

इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने घटनास्थल से एक कार जब्त की थी, जिससे रथ की स्कॉर्पियो का पीछा किया गया था। कार की नंबर प्लेट फर्जी निकली थी।

कार का चेसिस और इंजन नंबर मिटाया गया था। इसके अलावा हमले में 2 बाइक शामिल थीं। इनमें से एक बाइक भी घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर चाय की दुकान के पास मिली थी।

उस पर भी फर्जी रजिस्ट्रेशन था। चंद्रनाथ पहले एयरफोर्स में अफसर थे। VRS लेने के बाद कुछ समय कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया। इसके बाद राजनीति में आ गए। शुभेंदु जब तृणमूल कांग्रेस में थे, तब से चंद्रनाथ उनके लिए काम कर रहे थे। उन्हें शुभेंदु अधिकारी के बेहद करीबी लोगों में गिना जाता था। चंद्रनाथ 2019 में शुभेंदु की ऑफिशियल टीम का हिस्सा बने, तब शुभेंदु ममता बनर्जी सरकार में मंत्री थे। चंद्रनाथ ने भवानीपुर में शुभेंदु के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी संभाली थी। भवानीपुर वही सीट है जहां से शुभेंदु ने ममता बनर्जी को विधानसभा चुनाव में करीब 15 हजार वोटों से हराया है।

शुभेंदु की तरह चंद्रनाथ का परिवार भी पहले TMC से जुड़ा था। उनकी मां हाशी रथ ने TMC शासन के दौरान पूर्व मेदिनीपुर में स्थानीय पंचायत निकाय में पद संभाला था, लेकिन 2020 में शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। चंद्रनाथ शांत स्वभाव और लो-प्रोफाइल थे। उन्होंने रहारा रामकृष्ण मिशन से अपनी पढ़ाई पूरी की थी। कई सालों तक शुभेंदु के करीबी होने के बावजूद वह सुर्खियों से दूर ही रहते थे। चंद्रकात की शुभेंदु के साथ कोई फोटो नहीं है।

कोलकाता से करीब 20 किलोमीटर दूर मध्यमग्राम में रात 9:58 बजे एक CCTV कैमरे में चंद्रनाथ की स्कॉर्पियो सड़क से गुजरती दिखी। स्कॉर्पियो के गुजरने के कुछ देर बाद इलाके से एक कार और दो बाइक पर सवार तीन लोग पीछे जाते दिखे।

मध्यमग्राम के दोहरिया जंक्शन के पास कार स्कॉर्पियो से आगे निकल गई और सामने जाकर गाड़ी रोक दी। स्कॉर्पियो ड्राइवर को गाड़ी रोकनी पड़ी। जब तक चंद्रनाथ और उनका ड्राइवर कुछ समझ पाते, बाइक सवार हमलावर बाईं तरफ आए और 6 से 10 राउंड फायरिंग की।

वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश कार को वहीं छोड़कर मोटरसाइकिलों पर सवार होकर दो अलग-अलग रास्तों से फरार हो गए। स्कॉर्पियो के गुजरने के कुछ देर बाद इलाके से एक कार और दो बाइक पर सवार तीन लोग पीछे जाते दिखे।

गायकवाड के चेपॉक में 1000 रन पूरे, क्लासन के 58 पारियों में 2 हजार आईपीएल रन

धोनी ने सीएसके के साथ कराया फोटोशूट

खेल

चेन्नई, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL 2026 के 63वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हराया। चेपॉक स्टेडियम में CSK ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने हेनरिक क्लासन और अभिषेक शर्मा की पारियों की बदौलत टीम ने 19 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। सोमवार को इनिंग्स ब्रेक में एमएस धोनी ने टीम के साथ ग्रुप फोटोशूट कराया। क्लासन ने सिर्फ 58 पारियों में 2 हजार IPL रन पूरे किए। ऋतुराज गायकवाड ने चेपॉक में अपने 1000 IPL रन बनाए।

ऋतुराज गायकवाड का IPL 2026 में पावरप्ले के दौरान स्ट्राइक रेट 124.6 रहा है। कम से कम 100 गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में यह इस सीजन सबसे कम स्ट्राइक रेट है। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस IPL में कप्तान रहते हुए 42 विकेट ले चुके हैं। वह कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अभिषेक शर्मा IPL सीजन में 500+ रन बनाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले डेविड वॉर्नर 6 बार, जबकि शिखर धवन, केन विलियमसन, ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन एक-एक बार यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

चेन्नई के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज इस सीजन 30 सिक्स दे चुके हैं। कम्बोज ने इस मामले में कगिसो रबाडा, युजवेंद्र चहल और वनिंदु हसरंगा की बराबरी कर ली। IPL इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड राशिद खान के नाम है, जिन्होंने 2025 में 33 सिक्स दिए थे। चेन्नई के ओपनर संजू सैमसन ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। नीतीश ने मिडिल स्टंप पर लेंथ बॉल डाली, जिस पर संजू क्रीज में पीछे रहकर शानदार स्ट्रेट शॉट खेला। गेंद सीधे साइटस्क्रीन के ऊपर स्टैंड्स में जाकर गिरी।

सीएसके ने पहले ओवर में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

चेन्नई ने अपनी पारी के पहले ओवर में 17 रन बनाए। यह IPL में CSK का पहले ओवर में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले टीम ने 2015 में कोलकाता के खिलाफ ईडन गार्डन्स में पहले ओवर में 19 रन बनाए थे।

IPL 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओपनिंग जोड़ी का प्रदर्शन खास नहीं रहा है। टीम का ओपनिंग रनरेट 9.08 रहा, जो इस सीजन सबसे कम है। वहीं, औसत 25.84 रहा, जो सिर्फ कोलकाता नाइट राइडर्स (24.33) से बेहतर है।

> चेन्नई सुपर किंग्स ने चेपॉक में 3 साल बाद टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इससे पहले सीएसके ने 14 मई 2023 को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चेपॉक में पहले बैटिंग चुनी थी।

58 पारियों में क्लासन के 2 हजार आईपीएल रन पूरे

हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासन ने IPL में अपने 2000 रन पूरे कर लिए। उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 58 पारियों में हासिल की। इस लिस्ट में टॉप पर 47 पारी के साथ साई सुदर्शन हैं। क्लासन ने IPL में 2000 रन बनाने के लिए सिर्फ 1214 गेंदें खेलीं। वे सबसे कम गेंदों में यह आंकड़ा छूने वाले बल्लेबाजों की सूची में 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पहले नंबर पर 1120 बॉल के साथ आंद्रे रसल हैं।

गायकवाड ने चेपॉक में पूरे किए 1000 आईपीएल रन

रुतुराज गायकवाड ने चेपॉक मैदान पर IPL में अपने 1000 रन पूरे कर लिए। वे इस मैदान पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले चेन्नई के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। गायकवाड ने 21 गेंदों की पारी में 71.42 के स्ट्राइक रेट से 15 रन बनाए। IPL 2026 में 20 या उससे ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में यह दूसरा सबसे कम स्ट्राइक रेट रहा।

चेन्नई में हो सकता है बिग बैश का ओपनिंग मैच

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने चेपॉक स्टेडियम का मुआयना किया

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम ऑस्ट्रेलियाई लीग बिग बैश के ओपनिंग मैच की मेजबानी कर सकता है। यह मैच दिसंबर में खेला जा सकता है, हालांकि इसकी घोषणा अब तक नहीं हुई है।

PTI के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) के 5 अधिकारियों के एक डेलिगेशन ने सोमवार को स्टेडियम का दौरा किया। उसने BCCI प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों से मुलाकात की।

हालांकि, CA के प्रतिनिधि ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करने से इनकार किया। लेकिन, भारतीय बोर्ड से बातचीत चलने की बात मानी। उसने कहा, 'हम अभी किसी बात की पुष्टि नहीं कर सकते। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ साझेदारी में हम चेन्नई की संभावनाओं को तलाश रहे हैं, ताकि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को और मजबूत किया जा सके। अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। हम BCCI में अपने साथियों के साथ बारीकी से काम कर रहे हैं।' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधि चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के बीच खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) मैच के दौरान भी स्टेडियम में मौजूद रहे। यह मैच हैदराबाद ने 5 विकेट से जीता। यह पहला मौका नहीं है, जब किसी विदेशी लीग के मैच भारत में हो रहे हैं। 2019 में अमेरिका की मशहूर बास्केटबॉल लीग नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (NBA) ने पहली बार भारत में अपने ऑफिशियल प्री-सीजन मैच आयोजित किए थे। तब मुंबई में सैक्रामेंटो किंग्स और इंडियाना पेसर्स के बीच 2 मैच खेले गए थे। 2018 में कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में स्पेनिश लीग ला-लीगा के जिरोना एफसी (Girona FC) और ऑस्ट्रेलियाई ए-लीग के मेलबर्न सिटी एफसी ने भारतीय क्लब केरला ब्लास्टर्स के साथ प्री-सीजन टूर्नामेंट खेला था।

जूनियर नेमार की 3 साल बाद वापसी ■ स्पेन के लोपेज चोट के कारण बाहर

फुटबॉल वर्ल्डकप : ब्राजील और क्रोएशिया की टीमें घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए ब्राजील और क्रोएशिया की टीमों का ऐलान हो गया है। 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील में 3 साल बाद जूनियर नेमार की वापसी हुई है।

क्रोएशिया ने 40 साल के लुका मोड्रिच को कप्तान बनाया है। वे अपना 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर फर्मिन लोपेज दाएं पैर में फ्रैक्चर के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। जबकि, लैमिन यामल पहला मैच नहीं खेलेंगे।

48 टीमें के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी। जोकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में 16 शहरों में खेला जाएगा। हाल ही में फ्रांस और बेल्जियम ने भी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान किया था।

क्रोएशिया के मुख्य कोच ज्लाटको डालिच ने 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें 40 साल के दिग्गज लुका मोड्रिच को चुना गया। वे करियर का 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वे पिछले महीने गाल की हड्डी टूटने की चोट का शिकार हो गए थे। डालिच ने उम्मीद जताई है कि वे 17 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वर्ल्ड कप मैच तक फिट हो जाएंगे। मोड्रिच 200 इंटरनेशनल मैच पूरे कर सकते हैं।

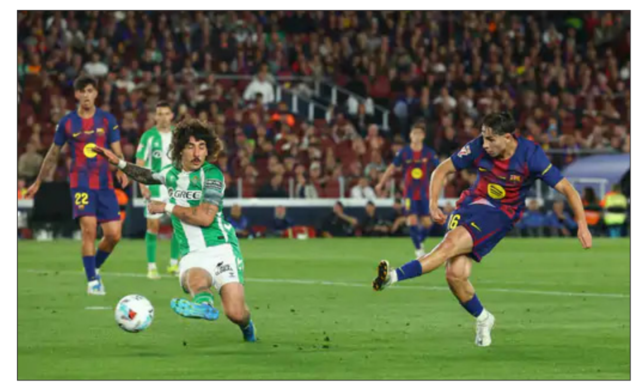

चौथा वर्ल्ड कप खेलेंगे नेमार

ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को रियो डी जेनेरियो में टीम का ऐलान किया। उन्होंने कहा- 'हमने पूरे साल नेमार का बारीकी से विश्लेषण किया। पिछले कुछ समय में उन्होंने लगातार फुटबॉल खेला है। उनकी फिटनेस इस बड़े मंच के लिए बिल्कुल दुरुस्त है।'

34 साल के नेमार चोट के कारण 2023 के बाद से ब्राजील के लिए एक भी मैच नहीं खेल पाए। वे करियर का चौथा वर्ल्ड कप (2014, 2018, 2022, 2026) खेलेंगे। ब्राजील को ग्रुप-C में रखा गया है। उसका पहला मैच 13 जून को मोरक्को से होगा। फिर हैती और स्कॉटलैंड से मुकाबले होंगे।

गोलकीपर एलिसन बेकर चोट से ठीक होकर लौटे हैं। रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर, बार्सिलोना के राफिन्हा और 19 साल के एंड्रिक फॉरवर्ड लाइन में होंगे। इस सीजन प्रीमियर लीग में चेल्सी के लिए 15 गोल और 5 असिस्ट करने वाले टॉप स्कोरर जोआओ पेड्रो को टीम में जगह नहीं मिली है।

मनोरंजन

रामचरण को बताया- 'टू गुड' ■ गर्लफ्रेंड जान्हवी के लिए कही ये बात

शिखर पहाड़िया ने शेयर किया 'पेद्दी' का ट्रेलर

नई दिल्ली। राम चरण और जान्हवी कपूर की अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' के ट्रेलर का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। मेकर्स ने सोमवार को इस स्पोर्ट्स ड्रामा का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इसके रिलीज के बाद जान्हवी कपूर के रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया ने भी उनकी तारीफ काफी मजाकिया अंदाज में सोशल मीडिया पर की। जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया को अक्सर साथ देखा जाता है। इसी वजह से दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहें भी उड़ती हैं। मगर दोनों मे कभी खुलकर इस बात को कबूल नहीं किया। जान्हवी की फिल्म 'पेद्दी' का ट्रेलर सोमवार को रिलीज हुआ। जिसमें ट्रेलर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'लेडी डॉन रील लाइफ में भी और रियल लाइफ में भी' वहीं रामचरण के लिए उन्होंने लिखा, 'टू गुड, मैं फिल्म के लिए इंतजार नहीं कर पा रहा।

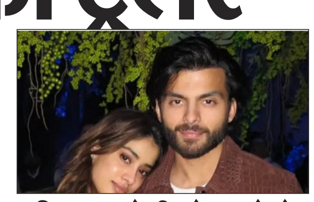

फिल्म 'पेद्दी' के बारे में

एक्टर राम चरण की आने वाली फिल्म पेद्दी का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह एक स्पोर्ट बेस्ड फिल्म है जिसमें रामचरण कुश्ती करते, क्रिकेट खेलते और धावक बने नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। संगीत ए.आर. रहमान दिया है। फिल्म में राम चरण के अलावा जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा, शिव राजकुमार, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म 'पेद्दी' के ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्मी दुनिया के सेलेब्स ने भी पोस्ट कर इसपर रिएक्शन दिए। अभिनेता वरुण धवन ने ट्रेलर पर रिएक्ट करते हुए लिखा, 'जान्हवी तुम फिल्म में काफी खूबसूरत लग रही हो। टीम को फिल्म के लिए बहुत-बहुत बधाई।

गोविंदा के बाउंसर पर पैपराजी को धक्का देने का आरोप

इवेंट में हुई बहस, एक्टर ने खुद मामला शांत कराया

नई दिल्ली। गोविंदा हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुए, जहां भारी भीड़ के बीच उनके बाउंसर और एक पैपराजी के बीच बहस हो गई। बाउंसर पर कथित तौर पर धक्का-मुक्की और दुर्व्यवहार का आरोप लगा। मामला बढ़ता देख गोविंदा ने खुद बीच में आकर दोनों पक्षों को शांत कराया।

दरअसल, विवाद उस समय शुरू हुआ, जब इवेंट खत्म होने के बाद गोविंदा वहां से लौट रहे थे और बड़ी संख्या में फैंस ने उन्हें घेर लिया।

भीड़ को कंट्रोल करने के दौरान बाउंसर ने एक्टर के लिए रास्ता बनाने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ लोगों को कथित तौर पर धक्का लग गया, जिसमें पैपराजी भी शामिल थे। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने विरोध जताया और बहस शुरू हो गई। बता दें कि इवेंट में गोविंदा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। वहां मौजूद फैंस ने उनके डांस और मौजूदगी का जमकर एन्जॉय लिया। गोविंदा जल्द ही कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आएंगे। यह शो शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। गोविंदा शो में अपनी बेटी टीना आहूजा को सपोर्ट करने पहुंचेंगे। टीना मां सुनीता के साथ एक टीम के हिस्से के तौर पर शो में हिस्सा ले रही थीं।

सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में मिला पांच फुट लंबा सांप

मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम, बिना सुरक्षा उपकरण के हाथों से पकड़ा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के मुंबई में स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में सोमवार को एक 5 फुट लंबा सांप मिला। सूचना मिलने के बाद उसे रेस्क्यू करने के लिए एक स्नेक रेस्क्यूअर मौके पर पहुंचा। सांप अपार्टमेंट के नीचे मिला था। रेस्क्यूअर ने उसे हाथों से पकड़कर सुरक्षित तरीके से काबू में किया। मौके पर अधिकारी भी पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की। वीडियो में रेस्क्यूअर सांप को पकड़ते हुए दिखाई दे रहा है। उसने पहले सांप का पीछा किया, फिर उसकी पूंछ पकड़कर उसे हाथ में लपेटा और बाद में बैग में डाल दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, सांप जहरीला नहीं था। यही वजह है कि उसे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के पकड़ा गया। गौरतलब है कि इससे पहले गैलेक्सी अपार्टमेंट साल 2024 में चर्चा में आया था। जब 14 अप्रैल 2024 की सुबह करीब 5 बजे मोटरसाइकिल पर आए दो हमलावरों ने गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर 5 से 6 राउंड फायरिंग की थी। उस वक्त सलमान खान अपार्टमेंट में ही थे। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग के अनमोल बिश्नोई ने ली थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान जल्द ही फिल्म मातृभूमि में नजर आएंगे। इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी होंगी। इस फिल्म का डायरेक्शन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान था। फिल्म की रिलीज डेट पहले 17 अप्रैल थी, जो टाल दी गई है और नई तारीख का अभी ऐलान नहीं हुआ है। वहीं, सलमान ने एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अपनी दूसरी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका अस्थायी नाम SVC63 है। इस फिल्म से सलमान पहली बार डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम करे रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इसके अलावा, वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सलमान डायरेक्टर जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डी.के. के साथ एक सुपरहीरो एक्शन फिल्म में भी काम कर सकते हैं।

फिर भी पाई-पाई को तरसे पर्दे के पीछे के हीरो ■ फिल्म इंडस्ट्री का कड़वा सच

बॉक्स ऑफ़सि पर पांच हजार करोड़ का बिजनेस !

नई दिल्ली। पिछले साल बॉलीवुड इंडस्ट्री ने लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बिजनेस किया। जहां आजकल बड़ी फिल्मों के लिए सुपस्टार्स को करोड़ों की फीस मिलती है और प्रोड्यूसर्स मोटा पैसा कमाते हैं। वहीं पर्दे के पीछे की सच्चाई कुछ ही कहती है। वो लोग जो कैमरा के पीछे होते हैं। टेक्निशियन, मेकअप आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट यहां तक कि पर्सनल जिम ट्रेनर्स तक। Top India के एक सर्वे से, जो मनोरंजन जगत से जुड़े 1,000 से ज्यादा लोगों से बातचीत पर आधारित है, पता चलता है कि बड़ी संख्या में कामगारों को या तो बहुत कम काम मिल रहा है या फिर उनकी सैलरी में भारी कटौती हो रही है। कई लोगों ने बताया कि जो प्रोजेक्ट्स उपलब्ध हैं, उनके लिए मिलने वाला पेमेंट पिछले सालों के मुकाबले लगभग 50 से 60 प्रतिशत तक कम हो गया है। इंडस्ट्री के कर्मचारियों का कहना है कि यह मंदी पिछले कई महीनों से बढ़ रही है। वे इसके मुख्य कारणों के तौर पर फिल्मों के बजट में कटौती, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स द्वारा खर्च में ज्यादा सावधानी बरतना, और बाजार की अनिश्चितता के चलते प्रोजेक्ट्स में हो रही देरी का जिक्र करते हैं।

बॉलीवुड के बड़े सितारे कमा रहे मोटी रकम

जहां एक तरफ बड़े कलाकार और जाने-माने नाम मोटी फीस और लगातार प्रोजेक्ट्स पाते रहते हैं, वहीं आर्थिक दबाव का सामना मुख्य रूप से उन पर्दे के पीछे काम करने वाले प्रोफेशनल्स को करना पड़ रहा है, जो रोजाना के प्रोडक्शन के काम को संभालते हैं।

कैरेक्टर आर्टिस्ट, असिस्टेंट डायरेक्टर, मेकअप आर्टिस्ट, कलाकारों से जुड़े जिम ट्रेनर, लाइटमैन, कैमरा ऑपरेटर, स्पॉट स्टाफ, प्रोडक्शन असिस्टेंट, एडिटर, इक्विपमेंट सप्लायर और टेक्निकल क्रू उन लोगों में शामिल हैं, जिन पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा है। इनमें से कई मजदूर रोजाना (Daily Wagers) की शूटिंग और प्रोजेक्ट-आधारित कमाई पर निर्भर रहते हैं।

संसद में बिल लाने की तैयारी ■ ट्रम्प ने ईरान पर आज होने वाला हमला टाला

ट्रम्प - नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ देगा ईरान

तैयारी

इस बीच ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर मंगलवार को होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और युएई जैसे गल्फ देशों के नेताओं ने बातचीत को मौका देने के लिए कुछ दिन का समय मांगा था।

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है।

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि घड़ी तेजी से चल रही है और अगर जल्द समझौता नहीं हुआ तो गंभीर नतीजे होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जर्मनी स्थित अमेरिकी ठिकानों से हथियार लेकर दर्जनों कार्गो विमान इजराइल पहुंचे हैं। वहीं नेतन्याहू और ट्रम्प ने संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर बातचीत की।

ईरान तनाव और समुद्री नाकेबंदी के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में करीब 1,500 कारोबारी जहाज फंसे हुए हैं। इन पर 20 हजार से ज्यादा नाविक मौजूद हैं। एक्सपर्ट्स ने मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बताया है। सऊदी अरब ने दावा किया कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इराक की दिशा से आए 3 ड्रोन मार गिराए।

जर्मन चांसलर पर भड़का ईरान

ईरान ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के परमाणु ठिकानों पर हमलों को सही ठहराने वाले देश अब अंतरराष्ट्रीय कानून और क्षेत्रीय सुरक्षा की बात कर रहे हैं। बघाई ने X पर कहा कि अमेरिका और इजराइल ने ईरान के सुरक्षित परमाणु ठिकानों पर खुले हमले किए, लेकिन पश्चिमी देशों ने इसकी निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि अब एक कथित फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन के बाद वही देश अंतर-राष्ट्रीय कानून का हवाला दे रहे हैं, जबकि UAE ने भी आधिकारिक तौर पर ईरान को जिम्मेदार नहीं ठहराया। बघाई ने कहा कि अगर परमाणु ठिकानों पर हमला खतरा है, तो यह नियम सभी देशों पर बराबर लागू होना चाहिए, सिर्फ पश्चिमी हितों के हिसाब से नहीं। ईरानी प्रवक्ता ने जर्मन नाटक द ब्रोकन जग का जिक्र करते हुए कहा कि यह रवैया जज एडम जैसा है, जो खुद गलतियां करता है लेकिन दूसरों को न्याय सिखाता है।

ईरान पर हमला टलने से सोना सस्ता हुआ

ट्रम्प के ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला टालने के बाद मंगलवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई। स्पॉट गोल्ड 0.5% गिरकर 4,544.17 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि जून डिलीवरी वाले अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.2% टूटकर 4,547.70 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए।

ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका ईरान पर बड़ा हमला करने वाला था, लेकिन कतर, सऊदी अरब और UAE के अनुरोध पर उसे फिलहाल टाल दिया गया। इसके बाद पश्चिम एशिया को लेकर बाजार में तनाव थोड़ा कम हुआ, जिससे सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की मांग घटी। हालांकि बाजार अब भी सतर्क है, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है और क्षेत्रीय तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

■ नाकाबंदी के चलते ईरानी जहाज या ईरानी तेल से लदे जहाज फारस की खाड़ी में फंसे हैं। (प्रतीकात्मक तस्वीर)

तेहरान में पत्रकार बनकर जासूसी करने वाले 2 लोग गिरफ्तार

तेहरान पुलिस ने पत्रकार बनकर काम कर रहे दो संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। ईरानी एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, दोनों पर सैन्य और खुफिया जानकारी विदेश भेजने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, दोनों पश्चिमी और उत्तरी तेहरान में सक्रिय थे और खुद को पत्रकार बताकर संवेदनशील जानकारी जुटा रहे थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जानकारी ईरान विरोधी नेटवर्क्स को भेजी जा रही थी। इसके लिए स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट का इस्तेमाल हो रहा था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्टारलिंक रिसीवर भी बरामद किया। मामले में अब तकनीकी और खुफिया जांच जारी है।

भारत रूसी कच्चा तेल खरीदता रहेगा अमेरिकी प्रतिबंध बेअसर

फंसे जहाजों से तेल खरीदने के लिए यूएस की 30 दिन की राहत

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की तरफ से मिलने वाली प्रतिबंधों की छूट खत्म होने के बाद भी भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से हमारे इम्पोर्ट प्लान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस बीच वैश्विक सप्लाई संकट को देखते हुए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के जहाजों से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों का अस्थायी लाइसेंस जारी कर दिया। अमेरिकी ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी।

बेसेंट के मुताबिक इससे अतिरिक्त लचीलापन मिलेगा। यह सामान्य लाइसेंस कच्चे तेल के बाजार को स्थिर करने और ऊर्जा की दृष्टि से संवेदनशील देशों तक तेल की पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होगा। सुजाता शर्मा ने कहा कहा कि भारत का रुख इस मामले में हमेशा से साफ रहा है। भारत अमेरिकी छूट मिलने से पहले भी रूस से तेल खरीद रहा था, छूट के दौरान भी खरीदा और आगे भी इसे जारी रखेगा। सरकार ने देश की जरूरत के मुताबिक पहले ही कच्चे तेल की पर्याप्त सप्लाई का इंतजाम कर लिया है, इसलिए देश में क्रूड ऑयल की कोई कमी नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि भारत ने मई महीने में रूस से रिकॉर्ड 23 लाख बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का आयात किया। दुनियाभर में तेल के दाम न बढ़ें और पेट्रोल-डीजल की सप्लाई सामान्य रहे, इसके लिए अमेरिका ने मार्च में भारत जैसे देशों को रूस से तेल खरीदने की एक विशेष छूट दी थी। पहले यह छूट 16 मई तक के लिए बढ़ाई गई थी। हालांकि, जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है, तब से अमेरिका लगातार भारत पर यह दबाव बना रहा है कि वह रूस से सस्ते दामों पर कच्चा तेल खरीदना कम कर दे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी प्रशासन को स्पष्ट कर दिया था कि ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच देश की तेल सप्लाई बनाए रखना सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है।

अमेरिका ने अपाचे हेलीकॉप्टर और एम 777 हवित्जर की बिक्री को दी मंजूरी

भारत और अमेरिका के बीच अपाचे हेलीकॉप्टर को लेकर डील फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को कहा कि उसने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टर सपोर्ट सर्विस और M777 अल्ट्रा-लाइट तोपों के लिए सहायता सेवाओं और संबंधित उपकरणों की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसकी अनुमानित लागत 428 करोड़ डॉलर है।

अपाचे हेलीकॉप्टरों की प्रस्तावित बिक्री का अनुमान 198.2 करोड़ डॉलर है, जिसमें AH-64E अपाचे के लिए रखरखाव सहायता सेवाएं शामिल हैं। वहीं M777A2 अल्ट्रा-लाइट तोपों के लिए दीर्घकालिक रखरखाव सहायता का मूल्य लगभग 230 करोड़ डॉलर है।

विदेश विभाग ने बताया कि अपाचे सपोर्ट पैकेज के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग और लॉकहीड मार्टिन होंगे। हवित्जर के सपोर्ट के लिए मुख्य ठेकेदार के तौर पर बीएई सिस्टम्स काम करेगा। विदेश विभाग ने कहा कि भारत ने AH-64E अपाचे के रखरखाव के लिए सहायता सेवाएं, अमेरिकी सरकार और ठेकेदार की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक्स सहायता सेवाएं, तकनीकी डेटा और प्रकाशन, कर्मियों का प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स तथा कार्यक्रम सहायता से जुड़े अन्य संबंधित तत्व खरीदने का अनुरोध किया है।

> **हवित्जरके लिए अमेरिका ने कहा कि इसमें गैर-प्रमुख रक्षा उपकरण आइटम शामिल होंगे। सहायक आइटम, स्पेयर पार्ट्स, मरम्मत और वापसी, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, फील्ड सर्विस प्रतिनिधि, डिपो क्षमता और लॉजिस्टिक्स तथा कार्यक्रम सहायता के अन्य संबंधित तत्व।**

28 अपाचे हेलीकॉप्ट खरीद चुकी है भारतीय सेना

विदेश विभाग ने बताया कि इसके मुख्य कांट्रैक्टर बोइंग कंपनी और लाकहीड मार्टिन होंगे। भारतीय सेना और वायुसेना अमेरिका से कुल मिलाकर 28 अपाचे हेलीकॉप्टर खरीद चुकी हैं। ये हेलीकॉप्टर दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से एक हैं और इन्हें "फ्लाइंग टैंक" भी कहा जाता है।

कैलिफोर्निया की सबसे बड़ी मस्जिद में गोलीबारी, सुरक्षा गार्ड समेत 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के कैलिफोर्निया में सैन डिएगो स्थित मज्जिद में सोमवार को अंधाधुंध गोलीबारी हुई। इस दुर्घटना में सुरक्षा गार्ड सहित पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बाद में दोनों संदिग्ध किशोर भी एक वाहन में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार दोनों ने कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह केंद्र सैन डिएगो काउंटी की सबसे बड़ी मस्जिद है और इसमें अल रशीद स्कूल भी शामिल है जो 5 वर्ष और उससे अधिक आयु के छात्रों के लिए अरबी भाषा, इस्लामी अध्ययन और कुरान के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। सैन डिएगो काउंटी की इस सबसे बड़ी मस्जिद में हुए इस खूनी हमले को पुलिस 'घृणा अपराध' मानकर जांच कर रही है। यह भीषण हमला उस समय हुआ जब मस्जिद के भीतर बच्चों का स्कूल चल रहा था और गैर-मुस्लिमों का एक समूह इस्लाम के बारे में जानने के लिए वहां आया हुआ था।

अडाणी एंटरप्राइजेस ट्रंप प्रशासन को 2,300 करोड़ चुकाएगी

ईरान से गैस खरीदने के मामले में सेटलमेंट हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कारोबारी गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन का मामला सुलझा लिया है। इसके लिए कंपनी अमेरिकी ट्रेजरी को सेटलमेंट राशि के रूप में 275 मिलियन डॉलर (करीब 2,300 करोड़ रुपए) का भुगतान करेगी। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने सोमवार को इस समझौते की आधिकारिक घोषणा की। यह मामला ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के 32 संभावित नागरिक दायित्व उल्लंघनों से जुड़ा हुआ है।

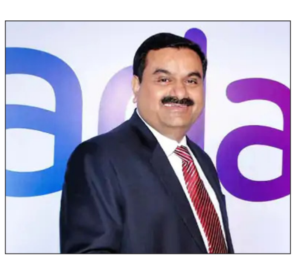

ट्रेजरी विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (OFAC) ने एक बयान में बताया कि दोनों पक्षों के बीच इस बड़ी राशि के भुगतान को लेकर सहमति बन गई है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने इस साल फरवरी में ही साफ कर दिया था कि वह अमेरिकी जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

OFAC के मुताबिक, पूरा मामला नवंबर 2023 से जून 2025 के बीच लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (LPG) के आयात से जुड़ा हुआ है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने दुबई के एक ट्रेडर से LPG की खेप खरीदी थी। उस सप्लायर ने दावा किया था कि यह गैस ओमान और इराक से आ रही है। हालांकि, जांच में सामने आया कि यह एलपीजी वास्तव में ईरान से मंगवाई गई थी। ईरान के ऊर्जा व्यापार को सीमित करने वाले अमेरिकी नियमों (ITSR) के तहत इस पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

अमेरिकी एजेंसी का कहना है कि अडाणी एंटरप्राइजेज ने गुजरात के मुंद्रा पोर्ट के जरिए भारत में इस एलपीजी का आयात किया था। इसके भुगतान के लिए अमेरिकी वित्तीय संस्थानों के जरिए डॉलर में 32 ट्रांजैक्शन किए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 192 मिलियन डॉलर थी। OFAC ने कहा कि कंपनी को ऐसे कई संकेत मिले थे (रेड फ्लैग्स) जिनसे उन्हें सतर्क हो जाना चाहिए था कि यह एलपीजी ईरान से ही आ रही है।

5 की मौत, इनमें एक गार्ड और 2 संदिग्ध, धार्मिक नफरत से जुड़े हमले की आशंका

अमेरिका की सैन डिएगो मस्जिद में गोलीबारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के सैन डिएगो स्थित मस्जिद में सोमवार को गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक सिक्योरिटी गार्ड और दो संदिग्ध शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों संदिग्ध किशोर थे। एक की उम्र 17 साल और दूसरे की 19 साल थी। दोनों के शव मस्जिद के पास एक वाहन में मिले। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि उन्होंने खुद को गोली मारी। इस मामले की जांच हेट क्राइम के एंगल से की जा रही है। हालांकि, हमले के पीछे की वजह पर फिलहाल ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। यह हमला इस्लामिक सेंटर ऑफ सैन डिएगो में हुआ। यह सैन डिएगो काउंटी की सबसे बड़ी मस्जिद है। परिसर में एक स्कूल भी है, जहां बच्चों को अरबी भाषा, इस्लामिक स्टडीज और कुरान की शिक्षा दी जाती है। 19 अप्रैल 2026- अमेरिका के लुइसियाना राज्य के श्रेवेपोर्ट शहर में एक शख्स ने 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। इनमें से 7 उसके ही बच्चे थे।

16 फरवरी 2026- अमेरिका के रोड आइलैंड में दोपहर हाई स्कूल हॉकी मैच के दौरान गोलीबारी हो गई। पुलिस के मुताबिक इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए।

8 जनवरी 2026- अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में इसी साल 8 जनवरी को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट के एक एजेंट ने कार सवार महिला को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

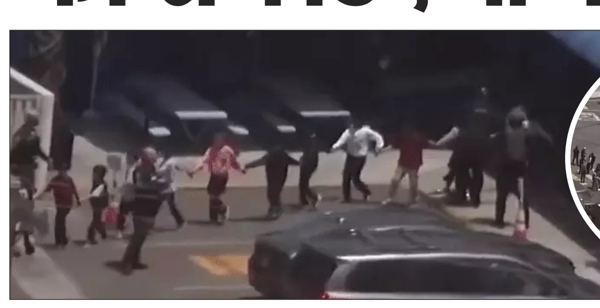

■ घटना के बाद फुटेज में एक दर्जन से ज्यादा बच्चों को हाथ पकड़कर मस्जिद परिसर से सुरक्षित बाहर निकालते देखा गया।

गवर्नर बोले- कैलिफोर्निया मुस्लिम समुदाय के साथ है

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मुस्लिम समुदाय से कहा कि कैलिफोर्निया आपके साथ खड़ा है। जहां परिवार और बच्चे जुटते हैं, जहां लोग शांति से इबादत करते हैं, वहां ऐसा हमला बेहद भयावह है। कैलिफोर्निया में नफरत की कोई जगह नहीं है।" उन्होंने बताया कि कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल और गवर्नर ऑफिस ऑफ इमरजेंसी सर्विसेज की टीमें मौके पर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर रही हैं।

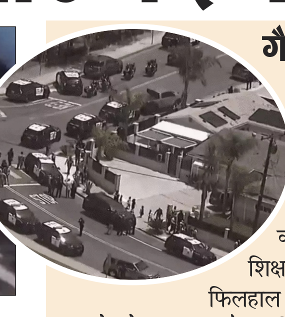

गैर-मुस्लिमों का दौरा चल रहा था

मस्जिद के इमाम ताहा हस्साने ने बताया कि सोमवार को कुछ गैर-मुस्लिम लोग इस्लाम को समझने के लिए मस्जिद के दौरे पर आए थे। यह सेंटर अलग-अलग समुदायों के बीच संवाद और मेलजोल बढ़ाने के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी शिक्षक और छात्र सुरक्षित हैं।

फिलहाल कोई खतरा नहीं है, लेकिन लोगों से मस्जिद से दूर रहने को कहा गया है। एहतियात के तौर पर सेंटर को पूरे दिन के लिए बंद कर दिया गया।

मस्जिद की वेबसाइट के मुताबिक, यहां सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए धार्मिक गतिविधियां नहीं होतीं, बल्कि सामाजिक कामों में भी दूसरे समुदायों के साथ मिलकर काम किया जाता है। यहां रोज पांच वक्त की नमाज होती है।

बहस : नॉर्वे की पत्रकार ने मानवाधिकारों से जुड़ा पूछा सवाल तो एमईए ने दिया दो टूक जवाब

'भारत पर क्यों भरोसा करें'

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे की यात्रा के दौरान ओस्लो में एक पत्रकार ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में विदेश मंत्रालय ने सोमवार को तुरंत उस पत्रकार को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया और कहा कि हमारा संविधान लोगों के अधिकारों की गारंटी देता है।

सिबी जॉर्ज ने कहा, हमारा एक संविधान है जो लोगों के अधिकारों की, लोगों के मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है। जैसा कि आप जानते हैं हमारे देश की महिलाओं के लिए हमारे पास समान अधिकार हैं, जो कि बहुत महत्वपूर्ण है। 1947 में हमने अपनी महिलाओं को वोट देने की आजादी दी। हमने मिलकर आजादी हासिल की और उन्होंने भी इसे खुद जीता।

उन्होंने आगे कहा, मैं कई ऐसे देशों के बारे में जानता हूं, जहां महिलाओं को वोट देने का अधिकार भारत द्वारा यह आजादी दिए जाने के कई दशकों बाद मिला। आप जानते हैं, ऐसा इसलिए है क्योंकि हम समानता में विश्वास रखते हैं, हम मानवाधिकारों में विश्वास रखते हैं। और मानवाधिकारों का सबसे अच्छा उदाहरण क्या है? सरकार बदलने का अधिकार, वोट देने का अधिकार। और भारत में यही हो रहा है। हमें इस बात पर बहुत गर्व है।

सवाल का जवाब देते हुए जॉर्ज ने बार-बार अनुरोध किया कि जब वे जवाब दे रहे हों तो उन्हें बीच में न टोका जाए और कहा, मुझे सवाल का जवाब देने दीजिए, कृपया मुझे बीच में न टोकें। आपने एक सवाल पूछा है यह मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस है।

सिबी जॉर्ज ने की पत्रकार की बोलती बंद

विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) ने कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों को मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है और अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में कानूनी उपचार भी देता है। भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश ने आजादी के समय से ही महिलाओं के लिए समान मतदान अधिकारों को सुनिश्चित किया है। जॉर्ज ने आगे कहा कि भारत समानता और मानवाधिकारों में विश्वास रखता है और यह भी कहा कि वोट देने तथा सरकारें बदलने का अधिकार लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का सबसे सशक्त उदाहरण है।

■ **एक पत्रकार ने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से बार-बार यह जवाब मांगा कि 'भारत पर भरोसा क्यों किया जाना चाहिए'। इसके चलते विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और नॉर्वे के एक पत्रकार के बीच तीखी बहस हो गई।**

कांगो में इबोला का कहर, अमेरिकी डॉक्टर भी वायरस की चपेट में

नई दिल्ली, एजेंसी

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस के एक दुर्लभ स्ट्रेन ने एक अमेरिकी डॉक्टर को संक्रमित कर दिया है, जबकि यह प्रकोप पूरे देश और साथ ही पड़ोसी देश युगांडा में भी फैलता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रविवार को इस प्रकोप को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित कर दिया।

इटुरी और नॉर्थ किवु प्रांतों में 300 से ज्यादा संदिग्ध मामले और 118 मौतें दर्ज की गई हैं, जबकि युगांडा ने इस प्रकोप से जुड़ी दो मौतों की पुष्टि की है। कांगो के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-मेडिकल रिसर्च के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. जीन-जैक्स मुयेम्बे ने सोमवार को पुष्टि की कि इटुरी प्रांत की राजधानी बुनिया में दर्ज किए गए मामलों में एक अमेरिकी डॉक्टर भी शामिल था।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों और राहत कर्मियों ने बताया कि यह वायरस हफ्तों तक बिना किसी की नजर में आए फैलता रहा, क्योंकि शुरुआती जांच में इबोला के गलत स्ट्रेन की तलाश की जा रही थी।

जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ पॉलिसी एंड पॉलिटिक्स के डायरेक्टर मैथ्यू एम. कवानाघ ने कहा, क्योंकि शुरुआती जांच में इबोला के गलत स्ट्रेन की तलाश की जा रही थी, इसलिए हमें फॉल्स नेगेटिव (गलत नतीजे) मिले और हमने प्रतिक्रिया देने के लिए जरूरी हफ्ते गंवा दिए।

■ **कांगो में इबोला के दुर्लभ बुंडिबुग्यो स्ट्रेन का प्रकोप**
■ **एक अमेरिकी डॉक्टर भी वायरस की चपेट में आया**

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकािशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676